■ पौष शुक्ल - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 163 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 06-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश : योगी

6 गुरु गोबिंद सिंह : त्याग, बलिदान, साहस एवं शक्ति के प्रेरणा पुंज

7 नेहरू के कार्यकाल में भारतीय क्षेत्र पर चीन ने कजा किया था : अमित मालवीय

फर्स्ट टेक

दुबई से धन जुटाने के आरोप में पीएफआई सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारत में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए दुबई से धन जुटाने के आरोप में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि एनआईए की एक टीम ने मोहम्मद सज्जाद आलम को शनिवार को दुबई से यहां इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर उतरते ही गिरफ्तार कर लिया। आलम बिहार के पूर्वी चंपारण जिले का निवासी है। इसमें कहा गया है कि पीएफआई के प्रशिक्षित सदस्य आलम के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था। एनआईए के अनुसार, आरोपी संयुक्त अरब अमीरात, कर्नाटक और केरल स्थित नेटवर्क के माध्यम से बिहार में पीएफआई सदस्यों को दुबई से अवैध धन पहुंचाने में शामिल था।

06-01-2025 सूर्यास्त 6:07 बजे | 07-01-2025 सूर्योदय 6:43 बजे

BSE	NSE
79,223.11	24,004.75
(-720.60)	(-183.90)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मोदी ने आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी, कहा-

दुनिया जल्द ही 'हील इन इंडिया' अपनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत में विश्व की स्वास्थ्य एवं आरोग्य राजधानी बनने की अपार क्षमता है और वह दिन दूर नहीं जब दुनिया 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'हील इन इंडिया' को भी मंत्र के रूप में अपनाएगी। मोदी ने यह टिप्पणी रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के नये भवन की डिजिटल तरीके से आधारशिला रखते हुए की और इसे आयुर्वेद की अगली बड़ी छलांग करार दिया।

समारोह में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 187 करोड़ रुपए के निवेश से 2.92 एकड़ में फैली नई सुविधा में 100 बिस्तरों वाला एक अस्पताल होगा जो आयुर्वेद अनुसंधान को आगे बढ़ाने और लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित होगा।

गरीब से गरीब व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा सुलभ कराने पर केंद्र के जोर का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार आयुष और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में आयुष पद्धति का विस्तार 100 से अधिक देशों में किया गया है।

मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का पहला संस्थान भारत में स्थापित किया जा रहा है।

मोदी ने कहा कि उन्होंने कुछ सप्ताह पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा कि आज केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान की नींव रखी गई है और इसके लिए उन्होंने दिल्ली के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की राजधानी बनने की अपार संभावनाएं हैं और वह दिन दूर नहीं जब दुनिया 'मेक इन इंडिया' पहल की तरह 'हील इन इंडिया' को मंत्र के रूप में अपनाएगी।

मोदी ने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में आयुष उपचार का लाभ उठाने में सुविधा प्रदान करने के लिए विशेष आयुष वीजा सुविधा शुरू की गई है और बहुत कम समय में सैकड़ों विदेशी नागरिकों को इस सुविधा का लाभ मिला है।

वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना अब एक 'निश्चित लक्ष्य' : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का दृष्टिकोण अब एक सपना नहीं, बल्कि एक निश्चित लक्ष्य है। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली छावनी में एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने यह टिप्पणी की। उन्होंने एनसीसी सदस्यों की प्रशंसा की और कहा कि वे राष्ट्र की सेवा की भावना के साथ एकता व अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, आप (एनसीसी कैडेट) हमारी युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। 2047 में हमारा विकसित राष्ट्र का दृष्टिकोण अब एक सपना नहीं है। यह हमारा निश्चित लक्ष्य है। उन्होंने कहा, आप सभी 2047 में भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने औपनिवेशिक शासन से देश की आजादी के 100 साल पूरे होने पर 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का संकल्प लिया है।

धनखड़ ने एनसीसी कैडेट से कहा, आप भाग्यशाली हैं कि आप ऐसे समय में रह रहे हैं जब भारत संभावनाओं वाला देश नहीं रह गया है। यह बेजोड़ बुनियादी ढांचे के विकास के साथ उभरता हुआ देश है। उन्होंने नए हवाई अड्डों और महानगरों समेत विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का हवाला दिया।

देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट एक महीने तक चलने वाले गणतंत्र दिवस शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जो 30 दिसंबर को शुरू हुआ और 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होगा।

वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भाग ले रही हैं, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। 2,361 कैडेट में से 114 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से, जबकि 178 पूर्वोत्तर क्षेत्र से हैं।

'भारत में तेजी से बढ़ रहा एफडीआई'

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, जापान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के निवेशक भारत को शीर्ष निवेश गंतव्य के रूप में मान्यता दे रहे हैं, जिससे तेज आर्थिक वृद्धि हो रही है और लाखों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेशक भारत में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, क्योंकि यहां मजबूत घरेलू बाजार, कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और कानून का शासन जैसे कई फायदे हैं। गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि भारत में एफडीआई एक बार फिर तेजी से बढ़ रहा है और इससे लाखों रोजगार पैदा हो रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए 20 अरब डॉलर के कर्ज पैकेज को मंजूरी देगा विश्व बैंक : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। विश्व बैंक पाकिस्तान के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर के सांकेतिक ऋण पैकेज को मंजूरी देने की प्रक्रिया में है। मीडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि यह एक अग्रणी 10-वर्षीय पहल है, जो विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं को राजनीतिक बदलावों से बचाएगी और छह लक्षित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि 'पाकिस्तान देश भागीदारी ढांचा 2025-35' नामक इस कार्यक्रम का उद्देश्य सबसे उपेक्षित, लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सामाजिक संकेतकों में सुधार करना है। इस 'देश भागीदारी ढांचे' को विश्व बैंक बोर्ड द्वारा 14 जनवरी को मंजूरी दी जानी है।

।। श्री सिमंधर स्वामीने नमः ।। । श्री राजेन्द्रसूरी गुरुभ्यों नमः।।

गुरु सप्तमी में आप सभी गुरु भक्त सादर आमंत्रित हैं, पधारो म्हारे देश

प.पू. प्रातः स्मरणीय, अध्यात्म योगी, परम योगी प्राचार्य , कलिकाल सर्वज्ञ, विश्व संत, सूरी सम्राट, विश्व विख्यात अभिधान राजेन्द्र कोष के निर्माता, नमस्कार महामंत्र के अजोड.आराधक विश्व पूज्य प्रभु

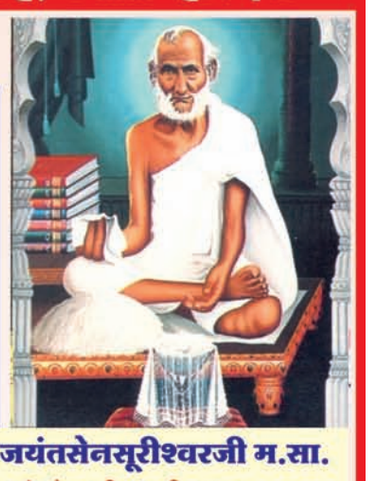

श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की
198वीं जन्म जयंती व 118 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर
वरघोड़ा एवं गुणानुवाद सभा
प्रसंगे सकल संघों को
भावभरा हार्दिक आमंत्रण

दिव्य आशीर्वाद : प.पू. पुण्य सम्राट आचार्य देवेश श्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा.

पावनकारी निश्रा : प.पू. पुण्यसम्राट, युग प्रभावक गुरुदेव श्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न एवं गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा. एवं आचार्यश्रीमद् विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती

आज **आज**

श्रुत प्रभावक मुनिराज श्री वैभवरत्नविजयजी म.सा. आदि ठाणा

श्रीमद् विजय हेमेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. समुदायवर्ती, सूक्ष्म चारित्र पालक प. पू. श्रीमद् विजय जयानंदसूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती सेवाभावी संघवणश्रीजी म.सा. की सुशिष्या विदुषी साध्वी श्री मणिप्रभाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या **साध्वीश्री प्रमोदयशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा**

मंगल कार्यक्रम

सुबह 7:00 बज़े : भव्य स्नात्र महोत्सव प्रातः 7.30 बजे : गुरुदेव की अष्टप्रकारी पूजा
प्रातः 8.30 बजे : गुरुदेव की विशेष आरती
प्रातः 9.00 बजे : गुरुदेव का भव्यातिभव्य वरघोड़ा, श्री अभिधान राजेन्द्र कोष के साथ वरघोड़ा मंदिरजी से रवाना होकर चिकपेट, बी. वी. के. अंय्यागार रोड से होते हुए **श्री गुरु राजेन्द्र भवन** किल्लारी रोड़ पहुंचेगा।
विशेष : एएमसी आहोर मुक्ति छाया ग्रुप द्वारा गुरुदेव के 36 गुणों की प्रस्तुति की जाएगी ।
प्रातः 10.30 बजे : **गुरु राजेन्द्र भवन में गुरु गुणानुवाद सभा**, कार्यक्रम के पश्चात भाता वितरण
दोपहर 12.00 बजे : सामूहिक आयम्बिल (श्री वर्धमान आयम्बिल खाता) चिकपेट में व्यवस्था
आयंबिल के लाभार्थी : स्व. शा. भोमराजजी छोगाजी पटियात की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रीमती सीतादेवी भोमराजजी पटियात, धाणसा
दोपहर 2.00 बजे : **गुरुपद महापूजन मंदिरजी में** संगीतकार : सुनीलकुमार एंड पार्टी
शाम 7.00 बजे : **भव्यातिभव्य अंगरचना एवं भक्ति भावना मंदिर जी में**
संगीतकार : सुनीलकुमार एंड पार्टी द्वारा

प्यारे गुरुदेव, पधारो गुरुदेव
आज पधारो, म्हारे बेंगलूरु धरा पर

महोत्सव स्थल
श्री सीमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर
एस.वी. लेन. मामुलपेट, बेंगलूरु
श्री राजेन्द्रसूरी जैन ज्ञान मंदिर, चिकपेट
श्री गुरु राजेन्द्र भवन, किल्लारी रोड बेंगलूरु

व्यवस्था में सहयोग
श्री सीमंधरस्वामी-राजेन्द्रसूरि जैन सेवा मंडल
श्री सीमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरि जैन आरती मंडल
श्री सीमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरि जैन महिला मंडल
एवं श्री ढंढ़ार जैन युवा मंच

निवेदक : श्री सीमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन मंदिर संघ, मामुलपेट, बेंगलूरु

।। जय श्री श्याम ।।

।।श्री गणेशाय नमः।। ।।श्री श्यामदेवाय नमः।। ।।श्री हनुमंते नमः।।

बेंगलूरु श्याम सरकार

श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट (रजि.) बेंगलूरु

12 वां वार्षिक उत्सव

भाव भरयो **निमंत्रण**

अखंड ज्योत | फूलों से शृंगार | छप्पन भोग | महाप्रसाद

* मांगलिक कार्यक्रम *

मंगलवार 7 जनवरी 2025
निशान यात्रा
प्रातः 9 बजे से
रामसीसरिया गौशाला से
श्री खाटूश्याम मंदिर, बन्नरघट्टा रोड, बेंगलूरु

श्री श्याम भजन संध्या
दोपहर 3 बजे से

आमंत्रित भजन प्रवाहक

आदरणीय श्री जयशंकर जी चौधरी
कोलकाता
जब कोई ना संभाले, संभालता है श्याम,
कोई ना कोई रास्ता, निकालता है श्याम .....
साथी हमारा कौन बनेगा,
तुम ना सुनोगे, कौन सुनेगा .....

सानिध्य : श्री प्रताप सिंह जी चौहान
खाटू श्याम मंदिर (राज)
गर जोर मेरो चाले, हिरे मोत्या से नजर उतार द्यु,
जईया वारु लूण राई बाबा, सोना चांदी वार द्यु .....
दुनिया चले ना श्री राम के बिना,
राम जी चले ना हनुमान के बिना .....

आदरणीय श्री सौरभ जी शर्मा
कोलकाता
मुझे श्याम यूँ तुम, भूला ना सकोगे,
छुड़ा के ये दामन, जा ना सकोगे .....
श्याम थारी चौखट पे, आया हूँ मैं हार के,
लायक बना ल्यो म्हाने, थारे दरबार के .....

* महत्वपूर्ण सूचनाएँ *
* नेशनल पार्क की पार्किंग में निःशुल्क पार्किंग की व्यवस्था की गई है।
* निशान यात्रा में अनुशासन बनाए रखें, मंदिर को साफ-सुथरा रखें और महाप्रसाद जूठा नहीं छोड़े।
* असुविधा से बचने के लिए जूते और चप्पल अपने वाहन में ही रखें।

YouTube LIVE

मैजेस्टिक, शांतिनगर, डेयरी सर्कल से बस नं. 365

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 98452 07431, 93419 44979, 93419 67656, 98451 82435

सभी श्याम भक्त एवं ट्रस्टीगण अपने परिवारजनों व मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं

।। जय श्री श्याम ।।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

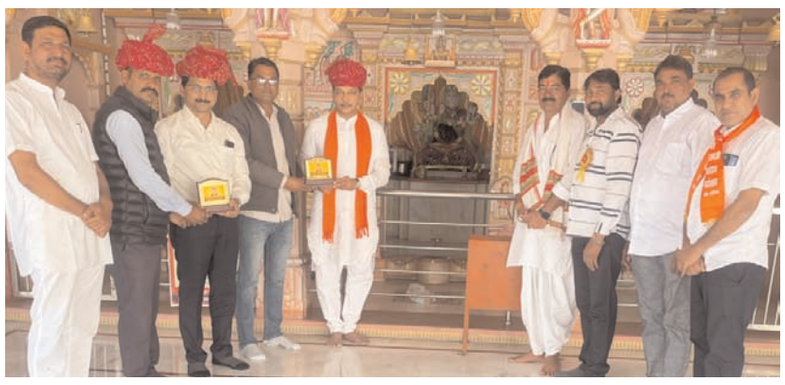

रविवार को राजस्थान के पाली जिले में आईमाता वडेर लाम्बिया द्वारा आयोजित संतश्री गुलारामजी महाराज के 57वें वार्षिक मेला एवं सत्संग महोत्सव में मारूति मेडिकल के प्रमुख एवं गौसेवक महेन्द्र मुणोत और उनके अनुज हंसराज मुणोत ने भाग लिया। देवी मां के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त पर महेन्द्र मुणोत ने कहा कि सेवा, मैत्री और राष्ट्रीयता नाम हिन्दुत्व है और हम सभी को सनातन संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। इस मौके पर लाम्बिया के सरपंच मदनलाल, पूर्व सरपंच प्रताप सिंह एवं ग्रामवासियों ने मुणोतबंधुओं को सम्मानित किया।

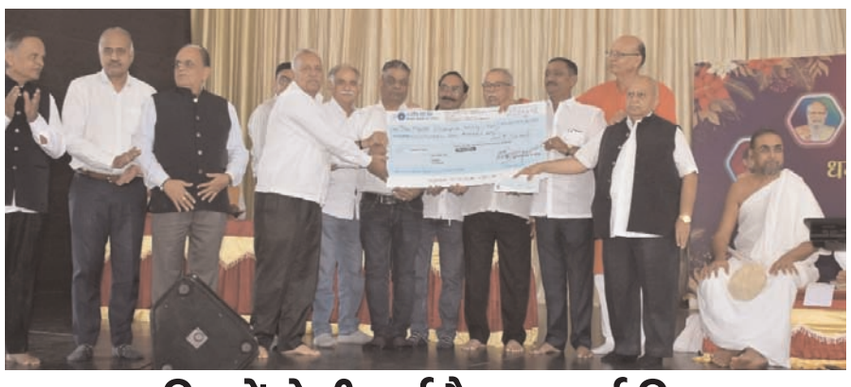

तप व तपस्वियों से ही धर्म है : आचार्य विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां रविवार को कल्याण मित्र वर्षावास समिति तथा जैन टेरिबल ट्रस्ट मैसूरु के तत्वावधान में तथा आचार्य विमलसागर सूरीश्वर के सान्निध्य में बन्नूर मार्ग पर स्थित गैलेक्सी कन्वेंशन सेंटर में तपोभिनन्दन समारोह रखा गया है।

तपस्या के लाभार्थियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। आचार्यश्री ने महामांगलिक सुना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में तपस्वियों की सराहना कर बताया कि ऐसे लोग जैन धर्म की शोभा और गौरव होते है, इनके तप की बदौलत जैन धर्म व परंपरा जीवित है। तपस्वियों ने चातुर्मास में भरपूर तपोराधना का लाभ ले कर आत्मकल्याण किया। युवाओं को धर्मसभा व मंदिर में नियमित प्रभु भक्ति करने के लिए प्रेरित किया। चातुर्मास के निमित्त बने लाभार्थियों व कल्याण मित्र वर्षावास समिति के सदस्यों का आचार्य ने आभार जताया। बाद में तपस्वियों को भेंट दी गई।अशोक दांतेवाड़िया ने संबोधन में साधु व नदी के पानी को बहते की भला बताया। साधु विहार कर धर्म का प्रचार-प्रसार कर लोगों को राह दिखाते है। कांतिलाल चौहान व गौतम सालेचा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी में संरक्षित गायों के चारे पानी की व्यवस्था के लिए आर्थिक सहयोग दिया। कल्याण मित्र वर्षावास समिति, बेंगलूरु के सुरेशकुमार बगरेचा, भरतकुमार बाफणा, कल्याण मित्र वर्षावास समिति, मैसूरु के वसंत राठौड़, भंवर लुंकड़, जीतू लुंकड़, प्रवीण दांतेवाड़िया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रावत राजपूत समाज बेंगलूरु (कर्नाटक) के तत्वावधान में समाज के ट्रस्ट मागडी रोड भवन पर पदाधिकारियों द्वारा रविवार को वीर योद्धा रावत नरा जी चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रथम माँ आशापुरा की आरती कर वीर योद्धा नराजी रावत चौहान की तस्वीर पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्वलित कर समाज ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मातृभूमि की रक्षार्थ अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीर योद्धा के गुणों के बारे में बताया गया। इस मौके पर समाज सेवी रामेश्वर सिंह टाडगड, एनएस सुरावत पाली, नारायणसिंह मालावत भीन्डर, पुरण सिंह कुराबड, कैलाश सिंह बग्गड़ सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

समदड़ी गांव गोठ का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु महानगर में प्रवास करने वाले राजस्थान के बाड़मेर जिले के समदड़ी कस्बे की निवासियों का स्नेह मिलन 5 जनवरी को रेजिडेंसी हॉलीडे रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। मार्गदर्शक प्रकाशकरण मेहता ने सभी का स्वागत किया। संयोजक दिनेश चोपड़ा ने कार्यक्रम के प्रमुख प्रेरक वक्ता हितेश छाजेड़ का परिचय करवाया। हितेश छाजेड़ ने पारिवारिक रिश्तों को कैसे सुदृढ़ बनाएं इस विषय पर बहुत ही सारगर्भित उद्बोधन दिया।कार्यक्रम का पूरा संयोजन संयोजक प्रवीण लुंकड़ के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर सभी के लिए अनेक तरह के खेलकूद एवं मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। समदड़ी प्रवासियों की तरफ से कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के सफलता पूर्ण आयोजन में धर्मेंद्र लुंकड़, खुशवंत छाजेड़, दिलीप वेदमुथा जीतू भंडारी आदि का भरपूर सहयोग रहा। वरिष्ठ मार्गदर्शक पारसमल कांकरिया ने सभी को धन्यवाद प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन कान्ति श्रीश्रीमाल ने किया।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेल्लूर के श्रीपुरम् में रविवार को श्रीशक्ति अम्मा की 49वीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में केन्द्रीय विद्युत एवं नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्रीपद येसो नाइक उपस्थित थे। उन्होंने शक्ति अम्मा ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर श्रीपुरम् के निदेशक डॉ. एम सुरेश बाबू और अन्य ट्रस्टी उपस्थित थे।

स्वाध्याय संघ द्वारा 33 केन्द्रों पर परीक्षा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ बेंगलोर द्वारा संचालित स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा कुल 33 केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। कक्षा एक से कक्षा दस तक की परीक्षा में जैन दर्शन, जैनतत्त्व जैन इतिहास, जैन आराधना एवं तीर्थकर स्तुति आदि विषयों पर आधारित प्रश्नोत्तरी तथा सूत्र एवं आगम ज्ञान के माध्यम से प्रश्नपत्र आधारित मौखिक तथा लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई। बेंगलूरु शहर के चिकपेट, संजयनगर, यशवंतपुर, मल्लेश्वरम्, श्रीरामपुरम्, राजाजीनगर, विजयनगर, मागड़ी रोड, ईटा गार्डन, अक्कीपेट, पार्क वेस्ट, जयनगर, चामराजपेट, बेंगलूरु सेंट्रल, हनुमंतनगर आदि क्षेत्रों में केन्द्र रखे गये। इसी प्रकार बेंगलोर के बाहर मैसूर, मंड्या, केजीएफ, सेलम, मुंबई आदि 12 क्षेत्रों में केन्द्र बनाये गए। कुल 1050 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। रविवार 5 जनवरी को अयोजित परीक्षा में सभी केन्द्रों पर संघ के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ स्वाध्यायी सदस्यों ने निरीक्षण दौरा किया। अध्यक्ष भंवरलाल कवाड, मंत्री मीठालाल पटवा, कोषाध्यक्ष पन्नालाल कोठारी, संयोजक शांतिलाल बोहरा, राजेन्द्र चोरडिया, विजय रेड, सुरेशचंद गुलेच्छा, मनोहर श्रीश्रीमाल, विजय गुगलिया, प्रकाश दलाल आदि अनेक सदस्यों ने निरीक्षण किया।

स्थानीय संघों के पदाधिकारी, पाठशाला के अध्यापकों एवं स्वाध्यायी सदस्यों ने परीक्षा व्यवस्था संचालित की। स्वाध्याय संघ द्वारा सभी उपस्थित विद्यार्थियों को प्रभावना दी गई। परीक्षा चेयरमैन उत्तम चन्द गुगलिया, सहचेयरमैन विनोद गुगलिया, प्रेमाजी चंदावत एवं सरोज एस बोहरा ने व्यवस्था में मुख्य भूमिका निभाई।

वस्तुओं, सेवाओं के निर्यात में वृद्धि की रणनीति पर चल रहा काम: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि सरकार देश के माल एवं सेवाओं के निर्यात में और तेजी लाने के लिए निर्यात रणनीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय निर्यातकों की चिंताओं को दूर करके तथा भारत के प्रतिस्पर्धी लाभ एवं ताकत के क्षेत्रों की पहचान करके 2030 तक निर्यात को दो लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने के लिए लक्षित तरीके से काम कर रहा है।

गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वस्तुओं और सेवाओं, दोनों का निर्यात अच्छा चल रहा है... हम एक निर्यात रणनीति पर काम कर रहे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि हम वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात में किस प्रकार तेजी ला सकते हैं।

वर्ष 2024-25 में निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष में यह 778 अरब डॉलर था।

आगामी बजट से निर्यात के लिए उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा निर्यातक समुदाय के लिए 'बहुत' सहायक रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) हमारे निर्यात को समर्थन देने के लिए हमेशा सक्रिय रहेंगे।

निर्यात ऋण में गिरावट और उच्च ब्याज दरों के संबंध में निर्यातकों की चिंताओं पर गोयल ने कहा कि मंत्रालय इन मुद्दों पर समग्र रूप से विचार कर रहा है और संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, हम निर्यातकों की इन चिंताओं का समाधान खोजने के लिए बैंकिंग प्रणाली और ईसीजीसी (निर्यात ऋण गारंटी निगम) के साथ लगातार काम कर रहे हैं।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुसार, मार्च 2022 (2,27,452 करोड़ रुपए) और मार्च 2024 (2,17,406 करोड़ रुपए) के बीच निर्यात ऋण में पांच प्रतिशत की गिरावट आई है।

मोदी ने दिल्ली में 12,200 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने वाले साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से सहित 12,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा की और इस दौरान यात्रियों से संवाद भी किया। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के इस हिस्से के निर्माण की लागत करीब 4,600 करोड़ रुपए है। इस उद्घाटन के साथ ही दिल्ली को अपना प्रथम नमो भारत संपर्क मिल गया। इससे दिल्ली और मेरठ के बीच लाखों यात्रियों को तीव्र गति और आरामदायक यात्रा के साथ उत्कृष्ट सुरक्षा और विश्वसनीयता का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली मेट्रो चरण-4 के अंतर्गत जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपए की लागत वाले 2.8 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन किया। यह दिल्ली मेट्रो चरण-4 का पहला खंड है जिसका उद्घाटन किया गया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी, जनकपुरी के कुछ क्षेत्रों और इनसे जुड़े अन्य इलाकों को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली मेट्रो चरण-4 के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला भी रखी, जिसकी लागत करीब 6,230 करोड़ रुपए होगी। यह कॉरिडोर दिल्ली के रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा, जिससे दिल्ली और हरियाणा के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे लाभान्वित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में रोहिणी, बवाना, नरेला और कुंडली शामिल हैं, जिससे आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार होगा।

बयान में कहा गया कि एक बार इस मेट्रो खंड के शुरू होने के बाद दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में यात्रा को सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के लिए नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखी जिसका निर्माण लगभग 185 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

बयान के मुताबिक, यह परिसर अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा सुविधा प्रदान करेगा। नए भवन में प्रशासनिक ब्लॉक, ओपीडी ब्लॉक, आईपीडी ब्लॉक और एक समर्पित उपचार ब्लॉक होगा। इससे रोगियों और शोधकर्ताओं दोनों के लिए एक एकीकृत और निर्बाध स्वास्थ्य सेवा अनुभव सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सरपंच हत्या मामले की जांच 'दिखावा', मंत्री मुझे बना रहे निशाना : अंजलि दमानिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने रविवार को कहा कि बीड जिले में मसाजोग ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की जांच ''दिखावा'' है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए जिले के बाहर की पुलिस को जांच का नेतृत्व करना चाहिए। मसाजोग के सरपंच देशमुख की नौ दिसंबर को हत्या कर दी गई थी, क्योंकि उन्होंने क्षेत्र में एक पवनचक्की परियोजना का संचालन करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास किया था।

राज्य आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) देशमुख की हत्या के साथ-साथ उनकी मौत से जुड़े जबरन वसूली मामले की भी जांच कर रही है।

दमानिया ने आरोप लगाया कि जबरन वसूली मामले के मुख्य आरोपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता तथा परली विधायक धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड के दबाव में झुकी बीड पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि बीड से ताल्लुक रखने वाले महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे कॉल और संदेशों के जरिये उनके खिलाफ अशोभनीय शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मोदी ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, वह केंद्र, दिल्ली के बीच सहयोग का परिणाम : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई दो परियोजनाओं को दिल्ली के बुनियादी ढांचे के लिए मील का पत्थर बताया और दावा किया कि ये केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उपक्रम हैं। मोदी ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के साहिबाबाद से यहां न्यू अशोक नगर तक दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से और दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के जनकपुरी पश्चिम-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन खंड का उद्घाटन किया।

गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोरबंदर/भाषा। गुजरात के पोरबंदर के बाहरी इलाके में स्थित हवाई अड्डे पर रविवार दोपहर उतरने के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई जिससे चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पोरबंदर के पुलिस अधीक्षक भागीरथसिंह जडेजा ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर हुई जब आईसीजी का 'एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर' (एएलएच) नियमित उड़ान से लौट रहा था। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के रनवे पर उतरने की कोशिश करते समय हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें आग लग गई। बाद में दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। जडेजा ने बताया कि चालक दल के तीनों सदस्यों को हेलीकॉप्टर से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और पोरबंदर के एक अस्पताल ले जाया गया।

कमला बाग पुलिस थाने के निरीक्षक राजेश कनमिया ने बताया, '' उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया जबकि एक ने अस्पताल लाए जाने के बाद दम तोड़ दिया।'' उन्होंने बताया कि चालकदल के सदस्यों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी पर की विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रमेश बिधुड़ी एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। उन्होंने कथित रूप से कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद वह क्षेत्र की सड़कों को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के 'गाल' जैसी बना देंगे। बिधूड़ी से फिलहाल उनके बयान और कांग्रेस द्वारा उन पर किये गए हमले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। वायरल हुए कथित वीडियो में बिधूड़ी को कहते सुना जा सकता है, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि जैसे हमने ओखला और संगम विहार में सड़कें बनाईं, वैसे ही हम कालकाजी की सभी सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे।

भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो किसी परिवार की नहीं बल्कि अपने कार्यकर्ताओं की है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो किसी परिवार की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पार्टी के एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए फडणवीस ने भाजपा को एक लोकतांत्रिक संगठन बताया। उन्होंने कहा कि देश में 2,300 से ज़्यादा पंजीकृत पार्टियां हैं, लेकिन राष्ट्रीय पार्टियों की गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि केवल दो पार्टियां हैं – भाजपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी – जो किसी परिवार की नहीं है।

फडणवीस ने कहा कि 2,300 पार्टियों में से लगभग सभी निजी स्वामित्व वाली हैं। उन्होंने कहा,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी नहीं रही। लेकिन भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पार्टी का स्वामित्व किसी नेता के पास नहीं है और इसका अपना संविधान है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक राष्ट्रीय पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साधारण पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक लड़का जो कभी चाय बेचता था, वह पहले (गुजरात का) मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। मोदी का राजनीति में कोई रिश्तेदार या 'गॉडफादर' नहीं है, फिर भी वह शीर्ष पद पर पहुंच सके। अपनी राजनीतिक यात्रा के बारे में बताते हुए फडणवीस ने कहा कि उन्होंने बूथ स्तर से शुरुआत की, वार्ड अध्यक्ष बने और तीन बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा, यह केवल भाजपा में ही संभव है। यह लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा ने महाराष्ट्र से 1.5 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। फडणवीस ने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य भर में एक लाख बूथों पर रविवार को विशेष सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है, जिसका लक्ष्य 25 लाख सदस्य बनाना है।

मंदिर संस्कृति संरक्षण तभी संभव जब सरकार नियंत्रण मुक्त हो : अभिनव शंकर भारती महास्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हमने धीरे-धीरे समाज, न्याय, परिवार और शिक्षा को सरकार के नियंत्रण में सौंप दिया है। जैसे-जैसे समाज सरकारी नियंत्रण में आता जा रहा है, यह निर्भरता की स्थिति तक पहुँच चुका है। धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित जीवन जीकर हम समग्र विकास प्राप्त कर सकते हैं। केवल मंदिरों से सरकारी हस्तक्षेप को हटा कर ही समाज का प्रगति संभव है, कुडलि श्रृंगेरि महासंस्थान के श्री आभिनव शंकर भारती महाश्वामीजी ने अपने मार्गदर्शन में उपस्थित लोगों से कहा। दो दिवसीय 'कर्नाटक राज्य द्वितीय मंदिर सम्मेलन,' जो कर्नाटक मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित किया गया था, बेंगलूरु के बसवेश्वर नगर स्थित गंगम्मा थिम्मैया कन्वेंशन हॉल में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान 'सनातन पंचांग एंड्रॉयड ऐप 2025' का शुभारंभ किया गया। इस ऐप में दैनिक अपडेट्स, पंचांग विवरण, शुभ मुहूर्त, त्यौहार, आध्यात्मिक लेख, आयुर्वेद टिप्स और धर्म शिक्षा से संबंधित बहुमूल्य संसाधन उपलब्ध हैं। इसके बाद 'आयुर्वेद अपनाएँ और बिना दवाओं के स्वस्थ रहें' नामक ई-बुक का विमोचन किया गया।

स्कंदेश्वर स्वामी मंदिर के सिद्धलिंग स्वामीजी ने कहा कि मंदिरों में वेद पाठ, सामूहिक प्रार्थनाएँ और यज्ञों जैसी गतिविधियाँ संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। धर्म वैश्विक शांति और मानवता के मूल्यों को बनाए रखता है, जिससे वैश्विक कल्याण संभव हो सकता है। 'संसार हमारा घर है; सभी प्राणियों की सुख-शांति हो (लोकः समस्ताः सुखिनो भवन्तु)' इस मन्त्र के तहत उन्होंने धर्म की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

हिंदू धार्मिक जागरूकता के महत्व को बताते हुए वेद ब्रह्म श्री इंद्राचार्य ने मंदिरों के माध्यम से हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में सुनील घनवत ने स्वाल उठाया कि भारत में वक्फ बोर्ड क्यों है जबकि पड़ोसी देश पाकिस्तान और बांग्लादेश में सनातन बोर्ड क्यों नहीं है? मंदिरों की पवित्र भूमि को वक्फ बोर्ड द्वारा ज्वलंत कानूनों के माध्यम से हड़प लिया जा रहा है। वक्फ बोर्ड किसी भी भूमि, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी, पर नोटिस जारी करके दावा कर सकता है। केवल कर्नाटक में ही वक्फ बोर्ड ने लगभग 25,000 एकड़ भूमि पर दावा किया है, जबकि भारत भर में अवैध अधिग्रहण हो रहे हैं। देशभर में वक्फ बोर्ड के पास 9.5 लाख एकड़ भूमि का नियंत्रण है। सुनील घनवत ने मंदिरों को वक्फ अतिक्रमण से बचाने के लिए मंदिरों के दस्तावेजों और अभिलेखों को अद्यतन और सुरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अधिवेशन में 800 से अधिक मंदिर विश्वस्त शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने धर्म शिक्षा कक्षाओं की शुरुआत, मंदिरों में धर्म शिक्षा बोर्ड की स्थापना, सरकारी हस्तक्षेप का विरोध, और मंदिर महासंघ के साथ सभी पहलुओं में सहयोग करने के बारे में चर्चा की। प्रतिभागियों ने निर्णय लिया कि महत्वपूर्ण निर्णयों को राज्य धर्म मंत्री को प्रस्तुत किया जाएगा।

कर्नाटक सरकार अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या मुख्यमंत्री के बारे में कोई भी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा और वह नेतृत्व के परामर्श से अपने मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भरने का फैसला करेंगे।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल पर कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है कि इस संबंध में ठोस आंकड़ा नहीं है, इसलिए (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नवंबर में सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

अनुसूचित जातियों का एक वर्ग, विशेष रूप से 'एससी लेफ्ट', आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है।

उनका आरोप है कि केवल कुछ प्रभावशाली उपजातियां ही अधिकांश लाभ ले रही हैं, जबकि कई समुदाय अब भी हाशिए पर हैं। एक अगस्त, 2024 को दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में, न्यायालय ने कहा था कि राज्यों को सामाजिक रूप से विषम वर्ग बनाने वाली अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बदलाव के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्दरामय्या ने कहा, यह आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा। केपीसीसी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सब कुछ आलाकमान द्वारा तय किया जाता है। केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में चार साल पूरे कर चुके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वर्तमान में पद पर विस्तार पर हैं।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित रूप से शामिल होने के आरोप के बाद मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे से मंत्रिमंडल में रिक्त हुए स्थान को भरने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आलाकमान से चर्चा करूंगा और उस रिक्त स्थान को भरूंगा।''

कुमारस्वामी कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी के आरोपों को साबित करें : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी द्वारा उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार और मंत्रियों पर कमीशनखोरी के लगाए आरोपों को सबूतों के साथ साबित करने की रविवार को चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना दस्तावेजों और सबूतों के आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, उनसे यह साबित करने को कहिए कि 60 प्रतिशत कमीशनखोरी हो रही है और भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्हें इसे साबित करने दीजिए। सिर्फ आरोप लगाना नहीं, बल्कि इसे साबित करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल आरोप लगाना नहीं है, बल्कि उन्हें सबूतों और दस्तावेजों के साथ इसे साबित भी करना चाहिए।

इससे पहले, जनता दल(एस) नेता कुमारस्वामी ने मैसूरु में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और उस पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के मंत्री भी इसमें शामिल हैं।

कुमारस्वामी ने कहा, ''उनके (कांग्रेस पार्टी के) समर्थक ठेकेदार खुद कह रहे हैं कि कमीशन 60 प्रतिशत को पार कर गया है और पिछली सरकार बेहतर थी... लूट पीडब्ल्यूडी या सिंचाई विभागों में हो रही है। अब तो आवास आवंटन के लिए भी पैसे देने पड़ते हैं...।'' कुमारस्वामी ने अधिकारियों और ठेकेदारों की आत्महत्या का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया, पहले छोटे अधिकारी इसमें संलिप्त होते थे, लेकिन अब यह विधान सौध में हो रहा है।

मंत्रियों को आवास आवंटित कराने के लिए भुगतान करना पड़ता है... हर विभाग में कमीशन का प्रतिशत तय है...। केंद्रीय मंत्री ने सिद्दरामय्या से अपनी अंतरात्मा को जवाब देने को कहा। उन्होंने साथ ही मुख्यमंत्री के आसपास के लोगों पर राज्य और सार्वजनिक संसाधनों की लूट में लिप्त होने का आरोप लगाया।

कुमारस्वामी ने कहा, ...आपको (मुख्यमंत्री को) इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। सिद्दरामय्या ने इस वर्ष के बजट की प्राथमिकताओं पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि इसे मार्च में पेश किया जाएगा और जब वह बजट-पूर्व परामर्श बैठकें शुरू करेंगे, तब प्राथमिकताओं के बारे में बोलेंगे। वह राज्य का वित्त विभाग भी संभाल रहे हैं। बस किराए में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्मचारियों के वेतन, डीजल की कीमतों में वृद्धि, नई बसों की खरीद की लागत और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए सभी सरकारों के दौरान बस किराये में वृद्धि हुई है।

मंगलूरु में डॉप्लर मौसम रडार का उद्घाटन जनवरी अंत तक होने की संभावना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बेंगलूरु केंद्र के प्रमुख एन पुवियारासन ने कहा कि मंगलुरु में कर्नाटक के पहले 'सी बैंड' डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) का काम 15 जनवरी तक पूरा होना था लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण इसमें देरी होगी।

आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चार जनवरी को आईएमडी बेंगलूरु द्वारा आयोजित कार्यशाला से इतर पुवियारासन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमें उम्मीद है कि इस माह के अंत तक यह काम करना प्रारंभ कर देगा। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र (केएसएनडीएमसी) के परिसर में हुई इस कार्यशाला में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूरु और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के तकनीकी सत्र सहित दिन भर कई सत्र आयोजित किए गए।

पुवियारासन ने यह भी कहा कि जरूरत अनुसार भूमि नहीं मिलने के कारण आईएमडी को यहां एस-बैंड' डीडब्ल्यूआर स्थापित करने में मुश्किलें आईं। एस-बैंड रडार 400 किलोमीटर के दायरे की कवरेज प्रदान करता है, जबकि सी-बैंड और एक्स-बैंड की क्षमता क्रमशः 250 किलोमीटर और 100 किलोमीटर है।

पुवियारासन ने कहा, ''हमें एक टावर और उसके साजो सामान के लिए कक्ष तैयार करने के लिए उचित स्थान की आवश्यकता है।'' उनके अनुसार शुरुआत में आईएमडी ने नंदी हिल्स में रडार लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के अनुरोध पर बेंगलूरु में उपयुक्त स्थान की तलाश शुरू कर दी गई है।

विश्व चैम्पियनशिप और खेल रत्न के बाद 2025 के लिए नए लक्ष्य तय करने शुरू किए : गुकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डी गुकेश ने पिछले एक महीने में कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें विश्व चैम्पियनशिप में जीत के बाद हाल में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना जाना शामिल है लेकिन शतरंज का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब 2025 में 'चुनौतीपूर्ण' वर्ष का सामना करने के लिए अपना ध्यान और लक्ष्य फिर से निर्धारित करना चाहता है। गुकेश 17 जनवरी से नीदरलैंड के विज्क आन जी में शुरू होने वाले टाटा स्टील टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे जिसमें अनीश गिरी, अर्जुन एरिगेसी, फैबियानो कारूआना और आर प्रज्ञानानंद जैसे शीर्ष खिलाड़ी भी होंगे। गुकेश ने रविवार को वेस्टब्रिज कैपिटल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से कहा, ''हां, 2025 काफी चुनौती पेश करेगा। बहुत सारे नए और दिलचस्प टूर्नामेंट होंगे। विश्व चैम्पियनशिप अब बीती बात हो चुकी है। मैं इसे जीतकर और सभी पुरस्कारों से बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अब मैंने नये लक्ष्यों, नये टूर्नामेंट और तैयारी के नये तरीकों के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। लक्ष्य और दृष्टिकोण वही रहेगा। अपना सर्वश्रेष्ठ देना, खुद को बेहतर बनाते रहना और जितना संभव हो सके उतने टूर्नामेंट जीतना।''

गुकेश ने कहा, ''इसलिए मैं बहुत कुछ सीखने, बहुत सारे सुधार करने की उम्मीद कर रहा हूं। उम्मीद है कि बहुत सारे अच्छे नतीजों के

साथ यह एक मजेदार साल रहेगा। '' हालांकि गुकेश पर विश्व चैम्पियन का 'टैग' होगा और साथ ही बहुत सारी उम्मीदें भी होंगी। लेकिन 19 वर्षीय खिलाड़ी इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हां, मैं कुछ समय से सुर्खियों में रहने का आदी हो गया हूं। जाहिर है कि विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह और भी बढ़ जाएगा। लेकिन मुझे जो चीजें याद हैं, वे हैं खुद को बेहतर बनाते रहना और असफलताओं को स्वीकार करना।'' गुकेश ने कहा, मुझे खुद से बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा लक्ष्य दूसरों की अपेक्षाओं के बजाय अपनी खुद की उम्मीदों को पूरा करना है। लेकिन क्या वह इस खिताब के बाद मिली प्रशंसाओं को संभालने में सक्षम रहे हैं जो इसके बाद उन्हें मिली है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगा कि विश्व चैम्पियनशिप जीतना कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की तरह होगा लेकिन निश्चित रूप से यह इससे अधिक होगा। मुझे खुशी है कि यह सम्मान और सुर्खियां मुझे मिल रही हैं। लेकिन मुझे लगता है कि ट्रेनिंग से इन चीजों को प्रबंधित किया जा सकता है। लेकिन (विश्व चैम्पियनशिप) मैच के बाद मुझे उबरने के लिए समय की भी जरूरत थी। मैंने थोड़ी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। लेकिन यह जल्द ही गंभीर हो जाएगी।''

पांच बार के विश्व चैंपियन और गुकेश के मेंटोर विश्वनाथन आनंद ने कहा कि उनके शिष्य की जीत ने फिर से ध्यान शतरंज की ओर कर दिया है। आनंद ने कहा, मुझे लगता है कि ध्यान फिर से शतरंज पर केंद्रित हो गया है। अगर आप इसे आगे बढ़ाते हैं तो यह संभव है कि हर एक टूर्नामेंट में कोई भारतीय खेल रहा हो जिसे आप देखने के लिए उत्सुक हों। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से गुकेश इसका नेतृत्व करेंगे, खासकर विश्व चैंपियन होने के नाते। लेकिन अब लोग यह देखने में दिलचस्पी रखते हैं कि क्या कोई भारतीय टूर्नामेंट में खेलेगा। और दूसरा असर शायद और भी गहरा है कि युवा खिलाड़ी खेल को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

आजादी के बाद हमने अच्छे को बुरे से अलग करने की क्षमता खो दी : योगेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजनीतिक नेता एवं चुनाव विश्लेषक योगेन्द्र यादव ने कहा कि लोकतंत्र के विफल होने का एक कारण यह है कि धर्मनिरपेक्ष उदारवादियों ने राष्ट्रवाद, सभ्यतागत गौरव और धर्म को उन लोगों को सौंप दिया जो आज उनसे छेड़छाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्रीय आंदोलन ने हमारे अतीत से सर्वश्रेष्ठ को चुना और जो स्वीकार्य नहीं था उसे त्याग दिया। हमारे उदार, शिक्षित, आधुनिक संभ्रांत वर्ग ने हमारे अतीत से मुंह मोड़ लिया। यादव बेंगलूरु स्थित विचार समूह 'विस्तार' द्वारा यहां आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम

में शनिवार को बोल रहे थे। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में उदारवादियों के धर्म के प्रति ''अविश्वास'' को रेखांकित किया।

'स्वराज अभियान' के संस्थापक सदस्य ने कहा, हमारे देश के सभी धर्मों में गहरी परंपराएं हैं। हमारे राष्ट्रीय आंदोलन के नेता इस तथ्य के प्रति सचेत थे कि उन्हें इसे संरक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''आजादी के बाद हमने अच्छे को बुरे से अलग करने की क्षमता खो दी और इसके साथ ही अपनी विश्वसनीयता भी खो दी।'' यादव के अनुसार, 21वीं सदी में राजनीतिक नेता अधिक चतुर हो गए हैं और प्रत्येक अपराध लोकतंत्र के नाम पर अपने तंत्रों का उपयोग करके किया जाता है।

उन्होंने कहा, ''एक या दो मामलों को छोड़कर, आप यह नहीं कह सकते कि उन्होंने जो चुनाव जीता वह अनुचित था। यह विधिवत स्थापित बहुमत का नियम है। हम इसका सामना करने से बचते हैं, क्योंकि इससे हमें दुख होता है।'' यादव ने कहा कि प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति की दुनिया में प्रवेश द्वार इतना ऊंचा रखा गया है कि राजनीतिक विकल्प के लिए प्रयास करना लगभग असंभव है।

द्रविड़ मॉडल सरकार भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता ए.एन.एस.प्रसाद ने कहा कि सिंधु घाटी सभ्यता और कीलाडी सभ्यता की महानता पर गर्व से चर्चा करने के लिए आयोजित एक सेमिनार में, जो तमिल गौरव को दर्शाता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंच का इस्तेमाल नस्लवाद, अलगाववाद और धार्मिक उग्रवाद जैसी विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा देने के लिए किया, जबकि भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली डीएमके सरकार का महिमामंडन किया। यह दोनों चौंकाने वाला और बेहद दुखद है। तमिलनाडु में 1967 में डीएमके के सत्ता में आने के बाद से, जब भी उन्होंने शासन किया है, उन्होंने इतिहास से छेड़छाड़ की है, उन उपलब्धियों का श्रेय लिया है जो उन्होंने कभी हासिल नहीं कीं, और झूठे आख्यानों के साथ छात्रों, युवाओं और समाज को गुमराह किया है। यह लंबे समय से चल रहा धोखा तमिलनाडु के लिए खतरा बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री अन्नादुरई के दौर से लेकर करुणानिधि के नेतृत्व और अब स्टालिन के प्रशासन तक, डीएमके एक ऐसी सरकार बन गई है जो हर मौके पर झूठ और झूठे वादों को बढ़ावा देकर जनता को गुमराह करती है। अब समय आ गया है कि इस धोखे को रोका जाए। क्या तमिल सभ्यता और विश्व भर में प्रसिद्ध द्रविड़ सभ्यता की महानता पर चर्चा करते हुए, बिना विवेक के तमिल विरोधी डीएमके पार्टी और उसकी तथाकथित द्रविड़ मॉडल सरकार की प्रशंसा करना उचित है?

'चित्र संते' में उमड़े कला प्रेमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को कलाप्रेमियों के लिए चित्रकला परिषद द्वारा लगाए गए 'चित्र संते' का मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सभी कला प्रेमियों को चित्र संते का दौरा करना चाहिए और कलाकृतियां खरीदकर कलाकारों का समर्थन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि अगर प्रत्येक घर में कला की कोई वस्तु या पेंटिग हो तो चित्र संते की सार्थक होगा। उन्होंने आज बेंगलूरु के कुमार कृपा रोड पर चित्रकला परिषद द्वारा आयोजित 22वें चित्र संथे का उद्घाटन किया और फिर कार्यक्रम को संबोधित किया।

चित्रसंते का सातवीं बार उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्र कला परिषद राज्य की संस्कृति, विरासत और परंपरा को फिल्मों के माध्यम से राज्य और दुनिया तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है और चित्रसंते का आयोजन करने वाले सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। यह सराहनीय है कि 22 राज्यों के कलाकार चित्र संते में भाग ले रहे हैं। मैंने चित्रसंते को दुनिया के किसी भी हिस्से में नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, खासकर बेंगलूरु में इस तरह का आयोजन होना अपने आप में गर्व की बात है।

चित्र संते कई कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है और रुचि रखने वालों के लिए इसे खरीदने का अवसर भी प्रदान करता है। एक दिन में चार लाख लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के लिए यह सुनहरा मौका है।

यहां संविधान की प्रस्तावना भी प्रदर्शित की गई है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। एक तस्वीर एक हजार शब्द से बढ़कर है। फिल्म के माध्यम से लोगों के जीवन, संस्कृति, विरासत को दर्शाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकला परिषद अच्छा काम कर रही है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री के अलावा चित्र संते में मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, बैयरती सुरेश, प्रियंक खरगे, पूर्व मंत्री एचएम रेवन्ना, सांसद पीसी मोहन, चित्रकला परिषद के अध्यक्ष बीएल शंकर आदि उपस्थित थे। इस प्रदर्शनी में हजारों लोगों ने अवलोकन किया। 22 राज्यों से 1550 से अधिक कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया। चित्रकला परिषद और आसपास की सभी गली सड़क में चित्र संते लगा। 40 हजार से अधिक पेंटिंग इस प्रदर्शनी में देखने को मिली। अनेक कला प्रेमियों ने कई पेंटिंग कलाकारों से खरीदी।

मुलाकात

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर से दिल्ली रवाना होने से पूर्व एयरपोर्ट पर गणमान्यजनों से मुलाकात करते हुए।

राजस्थान में कहीं-कहीं अति घना कोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में रविवार सुबह कहीं-कहीं पर घने से अति घना कोहरा रहा। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार राज्य में आगामी चार से पांच दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री गिरावट होने की संभावना है। मौसम केन्द्र के प्रवक्ता के अनुसार बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी तीन दिन कहीं-कहीं घना कोहरा छाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि आगामी 10-12 जनवरी को एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के क्षेत्रों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि राज्य में शनिवार को सर्वाधिक अधिकतम तापमान चित्तौड़गढ़ में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तथा राज्य के एक मात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, वनस्थली (टोंक) में 6.9 डिग्री दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अलवर में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 7.9 डिग्री, पिलानी-जैसलमेर में 8.3 डिग्री, डबोक 9.1 डिग्री, धौलपुर में 9.3 डिग्री, चूरू में 9.6 डिग्री, गंगानगर-बीकानेर में 9.8 डिग्री, और अन्य प्रमुख स्थानों पर 10.2 डिग्री सेल्सियस से लेकर 13.2 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का रविवार को जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर आमजन एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

राजेंद्र राठौड़ की स्कूल में वसूली जाती है 3 लाख रुपए फीस : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मे अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को लेकर सियासत गरमा गई है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी के भी कई नेताओं को आड़े हाथ लिया है। एक चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बीजेपी से सवाल किया कि वे अपने बच्चों को किस मीडियम में पढ़ाते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग नहीं चाहते कि गरीब का बच्चा फ्री में इंग्लिश एजुकेशन ले पाएं। पीसीसी चीफ ने सवाल उठाया कि आप बताइए ऐसे लोग अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाएंगे और मतलब गरीब का बेटा नहीं पढ़ेगा। बीजेपी का कोई ऐसा नेता बता दो जो इंग्लिश मीडियम स्कूल में अपने बच्चों को नहीं पढ़ाता है और हिंदी मीडियम में ही पढ़ा रहा है। आज राजेंद्र राठौड़ की इंग्लिश मीडियम स्कूल है, उनसे पूछा जाना चाहिए कि उसमें क्या वो हिंदी पढ़ाते हैं? वहां अंग्रेजी भाषा में पढ़ाई होती है और एक-एक बच्चे की 3 लाख रुपए स्कूल फीस लेते हैं। यानी कि इतनी फीस लें तो स्कूल चलनी चाहिए और फ्री में जिसको ऐसी पढ़ाई करा रहे हैं, वह स्कूल बंद होनी चाहिए। फिर कहते हैं कि हम सरकार की आलोचना करते हैं।

उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार ने राज्य में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल की समीक्षा के लिए रिव्यू कमेटी गठित किए जाने के बाद कांग्रेस लगातार हमला बोल रही है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा का जिक्र करते हुए डोटासरा ने कहा, सुमित गोदारा खुद ही इंग्लिश में बोलते हैं, इंग्लिश कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हुए हैं। उन्होंने मुझे विधानसभा में कहा था कि ज्यादा से ज्यादा इंग्लिश मीडियम स्कूल दीजिएगा। उनके क्षेत्र में 33 स्कूलें हैं, गजेंद्र सिंह शेखावत खुद इंग्लिश में बोलते हैं। वो विदेश में भी पढ़े होंगे।

कांग्रेस ने हिंदुओं और सनातन को की बदनाम करने की कोशिश : बालमुकुंद आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में 2006 में हुए विस्फोट मामले में महाराष्ट्र की निचली अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। जयपुर से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सनातन और हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन न्यायालय का फैसला हमारे पक्ष में रहा।

भारतीय जनता पार्टी से विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा, इस फैसले के लिए मैं न्यायालय का बहुत धन्यवाद देता हूं। जिस प्रकार से कांग्रेस ने एक षड्यंत्र रचा था और उनके मित्र जिसे ठगबंधन कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी, ने हिंदू आतंकवाद नाम लिया था। हदिुओं और सनातन को बदनाम करने की चेष्टा की गई थी, आज वह विफल हो गया है। न्यायालय का फैसला पूरी तरह से हिंदू और सनातन के पक्ष में है। उन्होंने आगे कहा, कई प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप लगाकर और हिंदू आतंकवाद कहते हुए महाराष्ट्र में जो घटना घटी थी। इसकी जांच में कोई दोषी नहीं पाया गया। जिनको हिंदू आतंकवाद कहा गया था, उनको आज दोषमुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा परिवारवादी कांग्रेस पार्टी, जो सनातन और हिंदुओं को लेकर षड्यंत्र रचती है। उनके मुहं पर तमाचा है। दोबारा हिंदुओं और सनातन को आतंकवादी कहने की चेष्टा नहीं करना। देश ने उनको डिलीट मार दिया है। हिंदू और सनातन को ठेस पहुंचाने के लिए वो जो षड़यंत्र रचते हैं, उसको बंद कर देना चाहिए। क्योकि सनातन दूसरों की सेवा करने के लिए है। सनातन धर्म, वसुधैव कुटुंबकम और पूरे देश में सुख-शांति की बात करता है।

भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस ने बहुत षड्यंत्र रचे, देश को गुमराह करने का काम किया। कांग्रेस पार्टी लगातार यही काम करती आई है। लेकिन हमने धैर्यपूर्वक न्यायालय के फैसले का इंतजार किया। राम मंदिर को लेकर भी न्यायालय ने फैसला दिया था। अब जब एक बार फिर हमारे पक्ष में यह फैसला आया तो, मैं कहना चाहूंगा कि कांग्रेस हिंदुओं और सनातनियों के खिलाफ ऐसे षड्यंत्र रचने की चेष्टा नहीं करे।

अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे पुलिस : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर शहर की सुरक्षा के इतिहास में एक नया अध्याय रविवार से जुड़ गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर के पुष्कर रोड़ स्थित पुरानी विश्राम स्थली में नये हरिभाउ उपाध्याय नगर पुलिस थाने का शुभारम्भ किया। पुलिस थाने में पूरे स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है। पुलिस ने शुभारम्भ के साथ ही काम-काज संभाल लिया। यह पुलिस थाना हरिभाऊ उपाध्याय नगर सहित आसपास की करीब एक लाख आबादी को सुरक्षा प्रदान करेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुलिस थाने के शुभारम्भ के बाद आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अजमेर शहर में विगत 25 सालों में कोई नया थाना नही खुला था। क्रिश्चयनगंज थाने का क्षेत्राधिकार बहुत बड़ा होने के कारण पुलिस काफी वर्क लोड में काम कर रही थी। हमने राज्य सरकार के गठन के साथ ही इस दिशा में काम करना शुरू किया और पहले ही बजट में इस थाने के गठन को मंजूरी दिलाई। नया थाना कोटड़ा, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, बीके कौल नगर रातीडांग और आसपास के क्षेत्र की कॉलोनियों में सुरक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि अजमेर शहर में दूसरे देशों से आने वाले घुसपैठियों, अतिक्रमण, अवैध कब्जों और अपराधों की शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही है। पुलिस इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। पुलिस का उद्देश्य है अपराधियों में खौफ और आमजन में विश्वास। पुलिस अपने आदर्श वाक्य की पालना के लिए सख्त पुलिसिंग करें। अजमेर में भूमाफिया, भ्रष्टाचार, अतिक्रमण और अवैध कब्जों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस से लोगों को चिन्हित करें और एक्शन लें।

उन्होंने कहा कि पिछले बजट में अजमेर जिले के लिए 1500 करोड़ रूपए की सौगातें मिली है। यह बजट घोषणाएं अजमेर में विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। बजट घोषणाओं के तहत अजमेर में पेयजल की समस्या के निराकरण के लिए 270 करोड़ रूपए की घोषणा की गई है। इस राशि से नसीराबाद से नौसर तक नई पाइप लाईन और तीन नये सर्विस रिजर्व वायर बनाए जाएंगे। माकड़वाली गांव में आईटी पार्क की स्थापना होगी। कोटड़ा में नया सैटेलाइट अस्पताल स्थापित किया जा रहा है। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में सुपरस्पेशिलिटी ब्लॉक बनेगा। अजमेर में स्पोर्ट्स कॉलेज, एथलेटिक्स एकेडमी, बालिका सैनिक स्कूल सहित अहम घोषणाएं की गई है। तेलंगाना हाउस का आवंटन निरस्त किया गया है। सांईस पार्क का निर्माण पुनः शुरू करवाया गया है।

घरेलू विवाद के बाद पति ने पत्नी और बेटे के धारदार हथियार से हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के भादरा थाना क्षेत्र में रविवार को घरेलू विवाद के बाद एक व्यक्ति ने पत्नी और छह माह के बेटे की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी। थानाधिकारी भूप सिंह सहारण ने बताया कि वार्ड संख्या सात के हाथियावाला बास के निवासी प्रेम (25) ने रविवार सुबह पत्नी राधिका (22) और बेटे को जान से मार दिया।

उन्होंने बताया कि हत्या के बाद आरोपी कमरा बंद करके गोगामेडी मेले में चला गया जहां एक हेड कांस्टेबल ने उसे खून से सने कपड़ों में संदिग्ध अवस्था में घूमते पाया तो पूछताछ की , जिसके बाद घटना का खुलासा हुआ। सहारण ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान पत्नी और बेटे की हत्या की बात कबूल की है। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है जबकि मृतका के परिजनों के हरियाणा से यहां पहुंचने पर पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

उन्होंने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने घटनास्थल से नमूने ले लिये हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सहारण ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी और मृतका दोनों रिश्ते में मौसेरे भाई बहन थे। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले उनका झगड़ा हुआ था।

नव प्रशिक्षित वनरक्षक प्रकृति संरक्षण का कार्य आधुनिक तकनीक के समन्वय से पूर्ण निष्ठा के साथ करें : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य एवं पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को अलवर के ग्राम ठेकडा स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में वानिकी सैटेलाईट प्रशिक्षण संस्थान, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान जयपुर के 119वें वनरक्षक आधारभूत प्रशिक्षण सत्र के पासिंग आउट परेड एवं समापन समारोह तथा 120वें वनरक्षक आधारभूत प्रशिक्षण सत्र के उद्घघाटन समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें अतिथियों ने पास आउट वनरक्षकों की परेड का निरीक्षण किया एवं परेड की सलामी ली। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री यादव ने वनरक्षक प्रशिक्षुकों को पासिंग परेड की बधाई व शुभकामनाएं देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना कर कहा कि दीक्षांत परेड के सहभागी का प्रशिक्षण प्राप्त करने से केरियर का नया अध्याय प्रारम्भ हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से तकनीकी कुशलता, प्रक्रियागत एवं कानूनी जानकारी के साथ टीम भावना का विकास होता है। यह प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं के जीवन का मुख्य पड़ाव बनने में साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह नौकरी ही नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति ट्रस्टी के रूप में कार्य करने का उत्तम अवसर है। वन मंत्रालय निरन्तर पर्यावरण संतुलन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रहा है, जिसमें वनरक्षकों का प्रमुख कर्तव्य है कि वे वन एवं वन्यजीवों की रक्षा की जिम्मेदारियों को मुस्तैदी से पूरा करें।

यह हर्ष का विषय है कि फोरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की वन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम द्विवार्षिक रिपोर्ट में देश के वन क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है।

भारत ने अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो तीन बडें क्रांटिटी ऑफ़ कॉन्ट्रेब्यूशन तय किये थे उनमें भारत दुनिया में जलवायु परिवर्तन प्रगति के कारण जो कार्बन उत्सर्जन होता है उसमें 40 प्रतिशत कटौती करेगा और यह लक्ष्य 2030 तक के लिए तय किया था लेकिन यह लक्ष्य हमने समय से 9 साल पहले पूरा कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। दूसरा लक्ष्य रिन्यूबल एनर्जी क्षमता को बढा कर 45 प्रतिशत करेगे यह लक्ष्य भी 2030 तक पूरा करना था लेकिन यह लक्ष्य हमने 2021 में ही प्राप्त कर लिया है और भारत ने रिन्यूबल एनर्जी की क्षमता को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तय किया है तथा तीसरा लक्ष्य विशेष रूप से विभाग से संबंधित है जो ग्रीन कार्बन सिंक एरिया को बढ़ाकर 33 प्रतिशत का लक्ष्य था उस लक्ष्य को लेकर जो वन विभाग की रिपोर्ट आई है वह 2.90 गीगा टन कार्बन सिंक के लक्ष्य को 2030 तक प्राप्त कर लिया जाएगा।

राज्यपाल बागड़े ने भद्र हनुमानजी की विधिवत पूजाअर्चना की और इस दौरान देश और प्रदेशवासियों की सुख, संपन्नता और खुशहाली के लिए कामना की।

बीकानेर रेंज के 8 एसआई निलंबित

बीकानेर। एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में विभागीय कार्यवाही के तहत बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने आठ सब इंस्पेक्टरों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एसओजी की ओर से की गई जांच के आधार पर की गई है, जिसमें 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा में नकल के आरोप में गिरफ्तार किए गए सब इंस्पेक्टरों का नाम सामने आया था। निलंबित किए गए एसआई में श्रीगंगानगर जिले के करणपाल गोदारा, जगराज, मनीष बेनीवाल, श्रवण कुमार, मनीष, अंकित गोदारा, बीकानेर की मंजू बिश्नोई और हनुमानगढ़ की मंजू देवी शामिल हैं।

अजमेर दरगाह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से चादर चढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर दरगाह में जारी उर्स के दौरान रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाई गई। दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान ने सिंह की ओर से चादर पेश की। उन्होंने सिंह द्वारा भेजा गया संदेश भी पढ़ा। संदेश में सिंह ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उर्स में सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग श्रद्धा की भावना के साथ शामिल होते हैं।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पूरा देश जनजातीय संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा संवाद कार्यक्रम-2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की। योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रपति पद पर जनजातीय महिला (द्रौपदी मुर्मू) भारत के गौरव को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं।

योगी ने कहा उत्तर प्रदेश का ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से नजदीकी संबंध है।

मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास का सर्वाधिक समय यहीं व्यतीत किया। यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का जंक्शन है। मां जानकी जनकपुर से हैं। यह बिहार व नेपाल के बीच में पड़ता है। झारखंड बाबा धाम के लिए जाना जाता है। ओडिशा जगन्नाथ भगवान का पावन धाम है। अपनी परंपरा, संस्कृति के प्रति गौरव की अनुभूति, श्रद्धा-सम्मान व देश के प्रति निष्ठा का भाव आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

नांदेड़ विस्फोट मामले में आरोपियों को बरी करना कांग्रेस को 'करारा तमाचा' है : विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने रविवार को 2006 के नांदेड़ विस्फोट मामले में आरोपियों को बरी किए जाने को कांग्रेस के मुंह पर ''करारा तमाचा'' बताया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से हिंदू समाज से माफी मांगने को कहा। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक सत्र अदालत ने 2006 के विस्फोट मामले में सभी नौ जीवित आरोपियों को शनिवार को बरी कर दिया, जिसके बाद यह प्रतिक्रिया आई है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, ''नांदेड़ में 2006 में हुए विस्फोट मामले में कांग्रेस के शासन में आरोपी बनाए गए सभी लोगों को अदालत द्वारा बरी किए जाने से हिंदुओं को आतंकवादी साबित करने के कांग्रेस के दिवास्वप्न की आज पोल खुल गई।'' उन्होंने दावा किया कि मालेगांव विस्फोट मामले में कांग्रेस और महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) का पहले ही ''पर्दाफाश'' हो चुका है।

बंसल ने कहा, ''19 साल बाद, नांदेड़ की अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है और कांग्रेस के हिंदू विरोधी कृत्यों के लिए उसके मुंह पर करारा तमाचा मारा।'' उन्होंने कहा, ''कम से कम अब तो कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए।''

चार-पांच अप्रैल 2006 की मध्य रात्रि को नांदेड़ शहर में लक्ष्मण राजकोंडवार के घर पर विस्फोट हुआ था, जो कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता थे। यह मामला इसी घटना से संबद्ध है।

महाकुंभ

एक बार फिर चर्चा के केंद्र में मुसलमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रयागराज में इस महीने शुरू हो रहे 'महाकुंभ' में मुसलमानों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने की कुछ संगठनों की मांग के बीच मुस्लिम धर्मगुरु इसमें मुस्लिम समुदाय की भागीदारी को लेकर एकमत नहीं हैं। संभवतः महाकुंभ के आयोजन के इतिहास में ऐसा पहली बार है जब इसे लेकर मुसलमान भी चर्चा के केंद्र में हैं।

मुसलमानों को महाकुंभ में नहीं जाने की सलाह देकर सुर्खियों में आए ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे एक पत्र में आशंका जताई कि महाकुंभ में सैकड़ों मुसलमानों का धर्मांतरण कराए जाने की योजना है, इसलिए सरकार ऐसे मंसूबों को नाकाम करने के लिये कदम उठाये। हालांकि, रजवी ने पिछले साल नवंबर में अखाड़ा परिषद द्वारा महाकुंभ में मुसलमानों का प्रवेश प्रतिबंधित करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि यह मांग अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। हालांकि, अब मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने दूसरा नजरिया रखा है।

रजवी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से महाकुंभ में मुसलमान का धर्मांतरण करने की तैयारी की सूचना मिली थी, लिहाजा एक जागरूक नागरिक के तौर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को इस आशंका से अवगत कराया है।

मुसलमानों को महाकुंभ में नहीं जाने की अपनी सलाह को सही ठहराते हुए रजवी ने कहा, ''अखाड़ा परिषद और नागा संन्यासियों ने बैठक करके मुसलमानों पर महाकुंभ में दुकान लगाने पर पाबंदी लगाने की बात कही थी इसीलिए हमने मुसलमानों को किसी परेशानी से बचने के लिए महाकुंभ में नहीं जाने की सलाह दी थी।''

अयोध्या में 11 जनवरी को 11 बजे रामलला का अभिषेक करेंगे मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या, (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूरा होने पर 11 से 13 जनवरी तक प्रतिष्ठा द्वादशी का आयोजन किया जाएगा। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को पहले दिन 11 बजे गर्भगृह में श्रीरामलला का अभिषेक करेंगे और उसके बाद अंगद टीला पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन कर श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्ष मंदिर में भगवान श्री राम के बाल रूप 'रामलला' की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। रविवार को जारी बयान में कहा गया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 11 जनवरी को ही सोनू निगम, शंकर महादेवन व मालिनी अवस्थी समेत कई मशहूर कलाकारों का गाया भजन भी रिलीज किया जाएगा। बयान में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के हवाले से बताया गया कि भगवान राम के जन्मस्थान अयोध्या धाम में मंदिर की स्थापना का एक वर्ष पौष शुक्ल पक्ष, द्वादशी, विक्रम सम्वत, 2001 तद्नुसार 11 जनवरी को संपन्न होगा। इस दौरान 13 जनवरी तक उत्सव मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां तेजी से जारी हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ 11 जनवरी को रामलला का अभिषेक करेंगे। बयान में कहा गया है कि महोत्सव के मद्देनजर नगर के प्रमुख चौराहों लता चौक, जन्मभूमि पथ, शृंगार हाट, राम की पैड़ी, सुग्रीव किला, छोटी देवकाली समेत अन्य स्थलों पर कीर्तन भी होगा।

आमरण अनशन के चौथे दिन प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा। आमरण अनशन के चौथे दिन किशोर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह इन नेताओं का ''अनुसरण'' करने के लिए तैयार हैं और अगर वे (दोनों नेता) उनकी (किशोर की) मौजूदगी के खिलाफ हैं, तो वह अनशन ''वापस लेने'' को तैयार हैं।

किशोर ने कहा, ''मैं लोगों को बता देना चाहता हूं कि यह आंदोलन गैर-राजनीतिक है और मेरी पार्टी के बैनर तले नहीं किया जा रहा है। कल रात युवाओं ने युवा सत्याग्रह समिति (वाईएसएस) नाम से 51 सदस्यीय मंच गठित किया है जो इस आंदोलन को आगे बढ़ाएगा और प्रशांत किशोर इसका सिर्फ एक हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''समर्थन देने के लिए सभी का स्वागत है, चाहे वह राहुल गांधी हों जिनके पास 100 सांसद हैं या तेजस्वी यादव जिनके पास 70 से ज्यादा विधायक हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये नेता हमसे कहीं बड़े हैं। वे गांधी मैदान में पांच लाख लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं...ऐसा करने का यही सही समय है। युवाओं का भविष्य दांव पर है। हम एक क्रूर शासन झेल रहे हैं, जो महज तीन साल में 87 बार लाठीचार्ज का आदेश दे चुका है।'' पूर्व चुनाव रणनीतिकार ने कहा, ''नवगठित वाईएसएस के 51 सदस्यों में से 42 ने कल रात इस अंदोलन को जारी रखने का फैसला किया। वाईएसएस के सभी सदस्य अलग-अलग राजनीतिक संगठनों का हिस्सा हैं। लेकिन वे सभी युवाओं और छात्रों के हित के वास्ते आंदोलन के लिए एकजुट हो गए है।''

उन्होंने कहा, ''वाईएसएस पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक मंच है। मैं यहां केवल उनका समर्थन करने के लिए हूं... और यह आमरण अनशन जारी रहेगा। पटना में 29 दिसंबर को राज्य पुलिस का प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पानी की बौछारें करना और लाठीचार्ज करना, लोकतंत्र की हत्या थी।''

झारखंड में नक्सलवाद से जुड़े मामले में कई स्थानों पर एनआईए की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने धन और आपत्तिजनक सामग्री की बरामदगी से जुड़े नक्सलवाद के मामले के सिलसिले में झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नौ स्थानों पर छापेमारी की। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि शनिवार को नौ स्थानों पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन भाकपा (माओवादी) से जुड़े संदिग्धों और 'ओवर ग्राउंड वर्कर' के कई परिसर पर ली गई तलाशी के दौरान एनआईए ने मोबाइल फोन, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड और अन्य वस्तुएं बरामद कीं।

यह मामला 10,50,000 रुपए की नकदी, एक वॉकी-टॉकी, एक सैमसंग टैबलेट, एक पावर बैंक, एक रेडियो सेट, एक लेवी वसूली रसीद, एक पुल थ्रू, जिलेटिन की छड़ों की बरामदगी और जब्ती से जुड़ा है।

एनआईए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि भाकपा (माओवादी) के सदस्य मिसिर बेसरा का एक 'नेक बैंड', टाइटन चश्मा और अन्य वस्तुएं मिली हैं।

बयान में कहा गया कि ये सामग्रियां हुसिपी और राजभासा गांवों के बीच स्थित वन क्षेत्रों में दबी हुई मिलीं, जिन्हें राजेश देवगम नामक एक आरोपी के खुलासे के बाद बरामद किया।

मथुरा के इस्कॉन मंदिर का कर्मचारी चढ़ावे का धन लेकर फरार, मामला दर्ज

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा के वृंदावन कोतवाली क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा संचालित श्रीकृष्ण बलराम मंदिर में पिछले तीन साल से कार्यरत कर्मचारी चढ़ावे का धन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एक साल से चढ़ावे की धनराशि का हिसाब नहीं दिया था और जब उससे हिसाब मांगा गया, तो वह फरार हो गया। पुलिस ने मंदिर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) की तहरीर पर शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। वृन्दावन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रवि त्यागी के अनुसार इस्कॉन मंदिर के सीएफओ ने शिकायत में कहा कि यहां 'मेंबरशिप' विभाग में कार्यरत मुरलीधर दास को दानदाताओं द्वारा मंदिर में दान की जाने वाली राशि को बैंक में जमा करने के लिए रखा गया था जिसके लिए उसे 32 रसीद बुक सौंपी गई थीं। त्यागी ने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया कि जब कई बार उन रसीदों का हिसाब देने के लिए उससे कहा गया तो पहले तो वह टालता रहा लेकिन पिछले दिनों जब सख्ती की गई तो वह अचानक मथुरा में अपने अस्थाई निवास से ही फरार हो गया।

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चमके वरुण तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मौजूदा एशियाई चैंपियन वरुण तोमर ने रविवार को यहां 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप (एनएससीसी) में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में सीनियर और जूनियर वर्ग के खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं।

सेना के 21 वर्षीय निशानेबाज तोमर पिछले साल मामूली अंतर से पेरिस ओलंपिक खेलों में जगह बनाने से चूक गए थे। उन्होंने सीनियर वर्ग के फाइनल में धीमी शुरुआत से उबरते हुए सेना की अपनी टीम के साथी प्रद्युम्न सिंह को 0.8 अंक से पीछे छोड़कर अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता।

राजस्थान के आकाश भारश्रे ने कांस्य पदक जीता। तोमर ने इसके बाद जूनियर फाइनल में भी धीमी शुरुआत की लेकिन वह जल्द ही बढ़त बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के निखिल सरोहा को हराकर दोहरा खिताब जीता।

सीनियर वर्ग के फ़ाइनल में तोमर का स्कोर 238 था जबकि जूनियर वर्ग के फाइनल में उन्होंने इससे भी बेहतर प्रदर्शन करके 246.2 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रद्युम्न जूनियर वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे।

युवा वर्ग के फाइनल में उत्तर प्रदेश के चिराग शर्मा ने अपने ही राज्य के 14 वर्षीय निशानेबाज देव प्रताप को 1.3 अंक के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। राजस्थान के मयंक चौधरी ने कांस्य पदक जीता।

पिस्टल निशानेबाजी में हरियाणा 23 स्वर्ण पदक लेकर पहले, राजस्थान 22 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे और महाराष्ट्र 13 स्वर्ण पदक लेकर तीसरे स्थान पर रहा।

कांग्रेस अब तक ममता बनर्जी के निष्कासन से नहीं उबरी : प्रदीप भट्टाचार्य

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी अब भी ममता बनर्जी के निष्कासन से लगे झटके से उबरी नहीं है, इससे राज्य में उसकी स्थिति कमजोर हुई है।

पूर्व सांसद भट्टाचार्य ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सोमेन मित्रा ने पार्टी के रुख के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण 1997 में तत्कालीन पार्टी प्रमुख सीताराम केसरी के निर्देश पर बनर्जी को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। भट्टाचार्य ने दावा किया कि उन्होंने मित्रा को इस निर्णय के खिलाफ सलाह दी थी, लेकिन आलाकमान की ओर से दबाव बहुत अधिक था। उन्होंने शनिवार को कोलकाता में मित्रा की एक प्रतिमा के अनावरण समारोह में यह टिप्पणी की। मित्रा का 2020 में निधन हो गया था। भट्टाचार्य ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''निष्कासन ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया और हम अब भी इससे उबर नहीं पाए हैं। लेकिन ताकत हासिल करने के लिए हमें एकजुट रहना चाहिए और सोनिया गांधी, राहुल और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे हमारे केंद्रीय नेताओं के निर्देशों का पालन करना चाहिए।''

ममता का बीएसएफ पर घुसपैठ कराने का आरोप लगाना सुरक्षा बलों का अपमान : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर उनकी इस टिप्पणी की आलोचना की कि बीएसएफ केंद्र सरकार के एजेंडे के तहत बांग्लादेश से घुसपैठ की इजाजत दे रही है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी सुरक्षा बलों का अपमान है। शुभेंदु ने ममता पर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए 'घटिया' राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम में प्रशासन ने अवैध आव्रजन को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ काम किया है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को वोट बैंक बना रही है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दोषी ठहराना राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 75,000 कर्मियों और 33,000 बीएसएफ कर्मियों का अपमान है।

उत्तर प्रदेश के इटावा में दुर्लभ प्रजाति के 528 कछुए बरामद, तस्कर गिरफ्तार

इटावा (उप्र)/भाषा। इटावा जिले के चौविया क्षेत्र में तस्करी करके बांग्लादेश ले जाए जा रहे दुर्लभ प्रजाति के 500 से ज्यादा कछुए बरामद होने के बाद एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रभागीय वन अधिकारी अतुल कांत शुक्ला ने रविवार को बताया कि वन विभाग और वन्य जीव अपराध नियंत्रण दल की संयुक्त टीम ने सूचना मिलने पर चार-पांच जनवरी की दरम्यानी रात करीब तीन बजे चौविया थाना क्षेत्र के इटावा-बरेली राजमार्ग पर कर्रीं पुलिया पर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान ट्रक में बिजली के सामान के बीच छुपाकर रखी गई 16 बोरियों में भरे सुंदरी प्रजाति के 528 दुर्लभ कछुए बरामद किये गये। संयुक्त टीम ने ट्रक पर सवार तस्कर गिरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर ड्रोन देखा गया, जांच शुरू की गई

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर रविवार तड़के एक ड्रोन देखे जाने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ड्रोन तड़के करीब 4:10 बजे मंदिर के ऊपर देखा गया और यह करीब आधे घंटे तक मंडराता रहा, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गईं, क्योंकि यह क्षेत्र उड़ान निषिद्ध क्षेत्र है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच के लिए अलग-अलग टीम गठित की गई हैं। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने चिंता जताते हुए कहा, ''मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाना गैरकानूनी है और स्वीकार्य नहीं है। सुरक्षा का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''पुरी एसपी (पुलिस अधीक्षक) ने टीम गठित करके घटना की जांच शुरू कर दी है। मुझे उम्मीद है कि संबंधित व्यक्ति की पहचान कर ली जाएगी और ड्रोन जब्त कर लिया जाएगा।'' हरिचंदन ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटना न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार मंदिर परिसर के चारों ओर स्थित चार निगरानी टावरों पर चौबीसों घंटे पुलिस कर्मियों को तैनात करने की योजना बना रही है।

संभल हिंसा के दौरान पुलिस अधिकारी पर गोली चलाने का आरोपी गिरफ्तार

संभल (उप्र)/भाषा। संभल शहर के कोट गर्वी मोहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में पुलिस क्षेत्राधिकारी पर गोली चलाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। संभल कोतवाली के प्रभारी अनुज कुमार तोमर ने बताया कि पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी पर गोली चलाकर उन्हें घायल करने के आरोपी सलीम नामक व्यक्ति को संभल कोतवाली क्षेत्र में स्थित भूरे खां की जियारत इलाके में गिरफ्तार कर लिया गया है और वह इलाके का कुख्यात अपराधी है। उन्होंने दावा किया कि वारदात के बाद सलीम दिल्ली के सीलमपुर में छुप गया था, वह संभल की एक अदालत में आत्मसमर्पण करने की फिराक में था मगर उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया। सलीम पर पुलिस से कारतूस लूटने का भी आरोप है और पुलिस ने उसके पास से 12 बोर का एक तमंचा, पांच कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। संभल हिंसा के मामले में अब तक 52 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। 24 नवंबर को संभल के कोट गर्वी इलाके में स्थित जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।

कोहली भारतीय टीम में रहने के हकदार नहीं, गलतियां सुधारने पर मेहनत नहीं की : पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। भारतीय टीम में सुपरस्टार संस्कृति खत्म करने की मांग करते हुए पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने विराट कोहली के टीम में स्थान पर सवाल उठाया और कहा कि उन्होंने अपनी तकनीकी कमियों को सुधारने के लिये ना तो घरेलू क्रिकेट खेली और ना ही मेहनत की ।

कोहली और रोहित शर्मा आस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी शृंखला में खराब फॉर्म में थे और भारत ने 1 . 3 से हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जाने का मौका भी खो दिया । कोहली नौ पारियों में 190 रन ही बना सके और बार बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए । पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा ,'' सुपरस्टार कल्चर खत्म होना चाहिये, टीम कल्चर की जरूरत है । आपको प्रदर्शन में सुधार करना होगा , अपने और टीम के । इस शृंखला से पहले भी मैच थे और उनके पास घरेलू क्रिकेट खेलने का मौका था लेकिन उन्होंने नहीं खेला । इस कल्चर को बदलना होगा ।'' इस पूर्व हरफनमौला ने यह भी कहा कि सचिन तेंदुलकर ने भी रणजी ट्रॉफी खेला जबकि उन्हें जरूरत नहीं थी क्योकि वह चार या पांच दिन पिच पर बिताना चाहते थे । पठान ने कहा ,'' विराट कोहली ने आखिरी बार घरेलू क्रिकेट कब खेला था । एक दशक से भी पहले ।'' उन्होंने कहा कि कोहली की जगह किसी युवा को दी जानी चाहिये क्योंकि पिछले पांच साल में पहली पारी में उनका औसत 30 से भी कम रहा है । उन्होंने कहा ,'' पहली पारी में 2024 में विराट कोहली का औसत 15 रहा है । पिछले पांच साल में 30 भी नहीं रहा । क्या ऐसे सीनियर भारतीय टीम में होने चाहिये । इसकी बजाय तो किसी युवा को मौका देना चाहिये जो 25 . 30 की औसत दे ही देगा । यह टीम के बारे में है, व्यक्तियों के बारे में नहीं ।''

द्रोणाचार्य पुरस्कार महत्वपूर्ण है : दीपाली देशपांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कई वर्षों तक ओलंपिक, विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता निशानेबाजों को ट्रेनिंग देने वाली दीपाली देशपांडे को इस साल के द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है जिससे अब टीवी चैनल उनका साक्षात्कार लेने के लिए उनके घर पर पहुंच रहे हैं जो इस पूर्व राइफल निशानेबाज के लिए नई चीज है।

स्वप्निल कुसाले, अर्जुन बबूता, अंजुम मौदगिल और श्रीयंका शदांगी सहित कई निशानेबाजों को शीर्ष वैश्विक टूर्नामेंटों में सफलता हासिल करने में मदद करने वाली कोच दीपाली को अपने परिवार, दोस्तों और सहपाठियों से बधाई संदेश मिल रहे हैं। कोचों के लिए देश के शीर्ष पुरस्कार के लिए नामित होने की खबर सार्वजनिक होने के बाद से उनके साधारण जीवन में चीजें इस तरह बदल गई हैं। इस पर उन्होंने कहा, ''इस पुरस्कार की अहमियत यही है कि आपकी कहानी अब बहुत से लोगों तक पहुंच रही है। मैं जिस क्षेत्र में हूं, उससे बाहर के लोगों तक, आम आदमी तक। '' दीपाली ने कहा, ''मुझे अपने स्कूल के दोस्तों के फोन आ रहे हैं। आम आदमी जो खेलों में वास्तव में रुचि नहीं रखते हैं लेकिन आपके बारे में जानते हैं। '' इस अनुभवी कोच ने कहा, ''मेरे परिवार के लिए भी यह पुरस्कार बहुत मायने रखता है क्योंकि वे खेल से बाहर के हैं। आपके क्षेत्र में लगभग हर कोई जानता है कि आप क्या कर रहे हैं और वे सब कुछ जानते हैं। ''

सुविचार

जब एक कच्ची मिट्टी का बर्तन टूट जाता है तो कुम्हार उस गीली मिट्टी से नया बना देता है ; परंतु यदि एक मिट्टी का पका हुआ बर्तन टूट जाए तो फिर उससे नया नहीं बन सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कंगाल होने का दांव?

ऑनलाइन गेम में रुपए कमाने के नाम पर जिस तरह नौजवानों को इसकी लत लग रही है, वह अत्यंत चिंता का विषय है। पिछले एक साल में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब किसी शख्स ने इन प्लेटफॉर्म पर बड़ी रकम गंवाई और बाद में कोई गलत कदम उठाया। जीतने की चाहत और जल्द धनवान बनने की हसरत ऐसे नौजवानों को अपराध की ओर भी धकेल रही है। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में तो एक युवक बैंक लूटने ही पहुंच गया। यह तो बैंक स्टाफ की सूझबूझ और पुलिस की सतर्कता काम आई, अन्यथा उस युवक के मंसूबे पूरे हो जाते। पूछताछ से पता चला कि उसे ऑनलाइन गेम की लत लग गई थी, जिसमें काफी रुपयों का नुकसान हो गया था। जब 'भरपाई' करने के लिए कुछ नहीं बचा तो बैंक लूटने का इरादा कर लिया! जो उम्र पढ़-लिखकर अपना भविष्य बनाने की थी, उसमें अपराध कर बैठा और जेल पहुंच गया। यह कोई पहला मामला नहीं है और न ही आखिरी होगा। जो लोग ऑनलाइन गेम में मालामाल होने का सपना लेकर दांव लगाते हैं, वे आखिर में ऐसे किसी मोड़ पर पहुंच जाते हैं, जब न तो उन्हें आगे बढ़ने का रास्ता दिखाई देता है और न 'पीछे लौटने' का वक्त रहता है। उत्तर प्रदेश के झांसी में तो इससे भी ज्यादा गंभीर मामला सामने आया। वहां 19 वर्षीया नर्सिंग छात्रा पर ऑनलाइन गेम का जुनून इस कदर हावी हो गया कि उसने पढ़ाई-लिखाई के बजाय पूरा ध्यान इस पर ही देना शुरू कर दिया था। शुरुआत में उसे यह मुनाफे का सौदा लगा, जहां संबंधित ऐप की ओर से कमाई के बड़े-बड़े सब्जबाग दिखाए गए थे। वह छात्रा धीरे-धीरे इस जाल में ऐसे फंस गई कि दोस्तों से रुपए उधार लेकर लगाने लगी। उसने लगभग ढाई लाख रुपए गंवा दिए।

उस छात्रा की स्थिति एक हारे हुए जुआरी जैसी थी। आखिरकार उसने अपने अपहरण का झूठा नाटक रचा और दोस्तों के जरिए फिरौती मांगी। छात्रा के पिता ने पुलिस की मदद ली। पुलिस ने ठीक तरह से जांच की और मामले का खुलासा कर दिया। छात्रा और उसके दोस्तों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। अगर वह युवती अपना मन ऑनलाइन गेम खेलने और उसमें रुपए लगाने के बजाय नर्सिंग की पढ़ाई में लगाती तो उसका भविष्य उज्ज्वल होता। आज कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए मोबाइल फोन जरूरत बन चुका है। परिजन से संपर्क में रहने, ऑनलाइन पढ़ाई करने और रोजगार संबंधी सूचनाएं पाने जैसे उद्देश्यों के लिए मोबाइल फोन पर निर्भरता बढ़ गई है। कुछ बच्चे इसका इस्तेमाल करते हुए 'भटक' जाते हैं। इस भटकाव के लिए काफी हद तक वे कथित सेलिब्रिटी भी जिम्मेदार हैं, जो विभिन्न विज्ञापनों में यह कहते नजर आते हैं कि फलां ऐप डाउनलोड कीजिए और जीतिए लाखों के इनाम ... पैसा सीधे आपके अकाउंट में! प्राय: नौजवान उनकी 'बातों' में आ जाते हैं। उन्हें लगता है कि इतना बड़ा 'स्टार' कह रहा है तो सच ही कह रहा होगा! चूंकि वे तो उनकी हेयर स्टाइल, हावभाव, बोलने और चलने के अंदाज़ आदि को कॉपी करने में बड़प्पन समझते हैं। बस, यह समझने की ज़हमत नहीं करते कि उनके ये प्रिय सेलिब्रिटी ऐसे विज्ञापनों के लिए मोटी रकम ले चुके हैं। संबंधित ऐप का संचालन करने वाली कंपनी ने उन्हें यह पैसा कहां से दिया होगा? जवाब बहुत आसान है, कई लोगों ने अमीर बनने के लालच में अपनी रकम गंवाई, उसी से कंपनी ने कमाई की और उसका एक हिस्सा सेलिब्रिटी के पास गया। इस 'जाल' में लोग जितने फंसेंगे, उनकी जेबें उतनी खाली होंगी और वह कंपनी मालामाल होगी। यह सीधा-सा हिसाब नौजवान समझ लें तो ऐसे जाल में फंसने से बच जाएं। सरकार, समाज, अभिभावकों और स्कूलों-कॉलेजों की जिम्मेदारी है कि वे नौजवानों को इससे सावधान करें। नौजवानों में भी इतनी समझ होनी चाहिए कि उन्हें अपने वर्तमान को सुधारना और भविष्य को बेहतर बनाना है। पतन की ओर धकेलने वाले लोग चाहे कथित सेलिब्रिटी हों या दोस्त, सहपाठी, रिश्तेदार अथवा पड़ोसी, वे आपके हितैषी नहीं हो सकते। उनसे सावधान रहने में ही भलाई है।

ट्वीटर टॉक

डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित 'अग्र अलंकरण सम्मान समारोह' में सम्मिलित होकर अग्र बंधुओं को संबोधित किया। अग्रसेन जी की नीतियों और आदर्शों पर चलकर अग्रवाल समाज ने सदा ही जनकल्याण को प्राथमिकता दी है।

-ओम बिरला

करोड़ों कार्यकर्ताओं के आदर्श, हम सभी के मार्गदर्शक, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूँ।

-भजनलाल शर्मा

जोधपुर के लाल सागर में निर्माणाधीन राष्ट्रीय पुनरुत्थान एवं अभिनव शिक्षा केंद्र का अवलोकन किया। समाजसेवी उद्यमी आरके दमानी एवं अन्य दानदाताओं के सहयोग से शिक्षा केन्द्र का निर्माण पूर्णता की ओर है।

-गजेन्द्र सिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशीलता का मानदेय

विभाजन से पहले की घटना है। उर्दू के प्रसिद्ध शायर और अपने जमाने के क्रांतिकारी कवि तथा फिल्मी गीतकार साहिर लुधियानवी उन दिनों लाहौर से 'साकी' नामक उर्दू मासिक निकाल रहे थे। साहिर साहब बड़े खुशदिल और विशाल हृदय के व्यक्ति थे। वे सीमित साधनों तथा घाटे में रहने के बावजूद पत्रिका में लिखने वाले लेखकों को रचना के एवज में मुनासिब पारिश्रमिक अवश्य दिया करते। एक बार यथासमय वित्त का बंदोबस्त न होने के कारण लेखकों को पैसे समय पर न भेजे जा सके। शमा लाहोरी ने साहिर के ठिकाने पर आकर पत्रिका में प्रकाशित अपनी दो ग़ज़लों का पारिश्रमिक मांगा। पूस की भयंकर सर्दी में बेचारा दीन शायर थर-थर कांप रहा था। उसे पैसों की सख्त जरूरत थी। साहिर ने शायर को प्रेम से बैठाया और चाय पिलायी। फिर खड़े होकर खूंटी पर टंगा अपना नया कोट उतारा और उसे शमा लाहोरी को सौंपते हुए कहा, 'इस बार हमने शायरों को 'कैश' की बजाय 'काइंड' से नवाजने की पहल की है।' यह उदारता देखकर शायर की आंखों में पानी भर आया।

सामयिक

गुरु गोबिंद सिंह : त्याग, बलिदान, साहस एवं शक्ति के प्रेरणा पुंज

प्रमोद दीक्षित मलय

मोबा. 9452085234

भारतवर्ष कर्म की भूमि है और धर्म की भी। इस पावन भूमि का कण-कण दैवीय ऊर्जा से अनुप्राणित है तो वहीं आत्मिक चेतना से उद्भाषित भी। यह पुण्य की तेजोमय अवनि है तो त्याग, बलिदान एवं पराक्रम की उदात्त संवाहक भी। त्यागमूर्ति दशमेश गुरु गोविंद सिंह के शौर्य एवं बलिदान की गाथा हर कंठ का अवलम्बन है। सिख गुरु परंपरा के प्रेरक संत योद्धा गुरु गोबिंद सिंह न केवल सिख पंथ के गुरु एवं उपदेशक हैं अपितु एक समर्थ सिपाही, कवि एवं कुशल सैन्य संगठक भी। उनका जीवन धर्म की रक्षा एवं आतताईयों के विररुद्ध सतत संघर्ष एवं विजय की प्रखर गाथा है।

सिख पंथ के नवम गुरु तेग बहादुर अपने परिवार एवं अनुयायियों के साथ समाज जागरण एवं सामाजिक समरसता के लिए प्रवास हेतु पटना पधारे थे। यहीं पर कुछ समय व्यतीत करने के बाद परिवार को नानक भक्त सालिस राय चौधरी की हवेली में छोड़कर आपको बंगाल एवं असम की यात्रा पर जाना पड़ा। पटना की इसी हवेली में पौष शुक्ल सप्तमी सम्वत 1723 तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666 को बालक गोबिंद राय का जन्म माता गूजरी की कोख से हुआ। कालान्तर में यहां राजा रणजीत सिंह ने एक भव्य गुरुद्वारा बनवाया जिसे आज तख्त श्री हरमंदिर साहिब कहते हैं। यहां पर आज भी बालक गोबिंदराय की खड़ाऊं, चार लोहे के तीर, एक कृपाण सुरक्षित रखे हैं। वह कुआं भी विद्यमान है जिससे माता गूजरी जल निकालती थीं तथा उस देहरी को भी बनाये रखा गया है जिसे लांघ कर गुरु तेग बहादुर पहली बार अंदर प्रवेश किये थे। प्रकाश पर्व में यहां भव्य आयोजन होता है।

असम से वापस आने पर बालक गोबिंद राय से पिता की भेंट हुई। पटना साहिब में पिता के साथ चार वर्ष व्यतीत करने के बाद 1670 में परिवार पंजाब चला आया और 1672 में शिवालिक की पहाड़ियों के निकट चक्क नानकी स्थान पर रहने लगे, जिसे आजकल आनंदपुर साहिब कहा जाता है। यहीं पर बालक गोबिंद राय की पढ़ाई-लिखाई एवं सैन्य शिक्षा प्रारंभ हुई। आपने फारसी, ब्रज, हिंदी एवं संस्कृत भाषा की दक्षता अर्जित की एवं घुड़सवारी, तलवारबाजी एवं तीर चलाना भी सीखा, साथ ही करुणा, समता, ममता, न्याय का आदर्श भी।

आनंदपुर साहिब निवास के दौरान ही औरंगजेब की दुष्टता, हिंसा एवं हिंदुओं के जबरिया धर्म परिवर्तन कराए जाने से पीड़ित कश्मीरी पंडितों का एक समूह गुरु तेग बहादुर से मिला और मुगल शासक औरंगजेब की यातना से बचाने एवं हिंदू धर्म की रक्षा हेतु गुहार लगाई। गुरु तेग बहादुर तत्पर हो अपने पांच साथियों के साथ औरंगजेब से मिलने दिल्ली पहुंचे। जहां एक षड्यंत्र के तहत चांदनी चैक में 11 नवम्बर, 1675 को सार्वजनिक रूप से गुरु तेग बहादुर का शीश धड़ से अलग कर दिया गया। उल्लेखनीय है, उसी स्थान पर स्थापित गुरुद्वारा शीशगंज श्रद्धालुओं में त्याग एवं बलिदान का भाव अनवरत भर रहा है। तब 29 मार्च, 1676 को बैसाखी के दिन नौ वर्ष की उम्र में गोबिन्द राय गुरु की गद्दी पर विराजमान हुए। इसी दौरान 21 जून, 1677 को आनंदपुर से दस किमी दूर बसंत गढ में आपका विवाह माता अजीत कौर (बीबी जीतो) के साथ सम्पन्न हुआ। गोबिंद राय न केवल सैन्य शक्ति संचालन में प्रवीण थे बल्कि लेखन कला में भी कुशल थे। आप के दरबार में कवि एवं लेखकों का सम्मान था। आपने कुछ विद्वानों का एक समूह संस्कृत ग्रंथों के अध्ययन हेतु वाराणसी भी भेजा था। आपने जाप साहिब, अकाल उस्तत, चंडी दी वार, जफरनामा जैसी रचनाएं लोक को प्रदान की।

गुरु गोबिंद राय मुगल शासकों के आतंक से समाज एवं धर्म रक्षा के लिए सैन्य संगठन में जुटे हुए थे। यह प्रयास मुगलों के लिए अनजाने न थे। गुरु गोबिंद राय उनके साम्राज्य विस्तार के लिए एक बड़ा अवरोध थे। इस कारण नादौन और भंगाजी में मुगल सूबेदारों के साथ गुरु गोबिंद राय के साथ भयंकर युद्ध हुआ। मुगल पराजित हुए। गुरु सेना की विजय से सैन्य शक्ति का विस्तार और आत्मविश्वास बढ़ा। इसी दौरान बैसाखी के दिन 1699 में गुरु गोबिंद राय ने मुगलों से धर्म एवं राष्ट्र रक्षा के लिए अपने अनुयायियों से पांच बलिदानी शीश मांगे। इस पर पांच जातियों के व्यक्तियों ने एक-एक कर स्वयं को गुरु चरणों में समर्पित कर दिया। ये पांचों वीर पंज प्यारे नाम से जाने गये। गुरु गोबिंद राय ने लोहे के कटोरे में पानी चीनी लेकर दुधारी तलवार से घोलकर अमृत बना पंज प्यारों को छका पहले खालसा बनाया। तब स्वयं छक छठे खालसा बने। खालसा पंथ की स्थापना कर गुरु गोविंद सिंह नाम धारण कर कहा कि जो व्यक्ति मन, विचार एवं कर्म से शुद्ध है वही खालसा है। खालसा पंथ समानता, आत्मसम्मान, निर्भयता, सहनशीलता और जातीय भेदभाव से मुक्त सामाजिक समरसता के दर्शन पर आधारित है। सभी के लिए पंच ककार यथा केश, कंघा, कच्छा, कड़ा और कृपाण रखना अनिवार्य किया गया। खालसा का मत है कि भय काहू को देत नहिं, नहिं भय मानते आप।

अंतिम समय में गुरु गोबिंद सिंह महाराज नांदेड़, महाराष्ट्र में रहकर अनुयायियों का मार्गदर्शन एवं प्रवचन करते रहे। सरहिंद के नवाब वाजित खान ने दो पठानों को गुरु गोविंद सिंह की हत्या हेतु वेश बदलकर भेजा और एक दिन मौका पाकर दोनों पठानों ने आराम करते हुए गुरु गोबिंद सिंह पर प्रहार कर घायल कर दिया। अंतिम समय निकट जानकर एक दिन गुरु ने सभी अनुयायियों को एकत्र कर कहा कि अब कोई देहधारी गुरु नहीं होगा। गुरु ग्रंथ साहिब ही गुरु के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। यह कहकर नारियल एवं पांच पैसे गुरु ग्रंथ साहिब को अर्पित कर शीश नवाया। 7 अक्टूबर, 1708 को इस अप्रतिम संत योद्धा ने मां भारती के अंक में स्वयं को समर्पित कर दिया।

गुरु गोबिंद सिंह के खालसा सैन्य शक्ति का विस्तार एवं प्रभाव देखकर औरंगजेब सिहर गया। सूबेदारों एवं नवाबों की संयुक्त शक्ति के साथ मुगल सेना ने वर्ष 1704 में आनंदपुर साहिब में घेरा डाला। पर खालसा सेना के शौर्य के आगे उसके मंसूबे धराशाई हो गए। तब मुगल सेनापति ने छल करते हुए 21 दिसम्बर, 1704 को कुरान की कसम खाकर एक चिट्ठी गुरु गोबिंद सिंह को भेजी कि किला खाली कर कहीं सुरक्षित जाने पर मुगल सेना आक्रमण नहीं करेगी। तब सिख सेनानायकों से परामर्श कर गुरु गोबिंद सिंह किले से बाहर निकले ही थे कि मुगल सूबेदारों ने कुरान की कसम को धता बताते हुए धोखे से आक्रमण कर दिया। इस अप्रत्याशित हमले में गुरु गोबिंद सिंह का परिवार बिछड़ कर सरहिंद की ओर पहुंच गया और गुरु गोविंद सिंह दो पुत्रों एवं 40 साथियों के साथ चमकौर की ओर निकल गये। सरहिंद के नवाब वाजित खान ने गुरु परिवार को पकड़ जोरावर सिंह 8 वर्ष एवं फतेह सिंह 6 वर्ष को इस्लाम स्वीकार करने का आदेश दिया। पर वीर बालकों के मना कर देने पर क्रूर नवाब ने दोनों बालकों को 27 दिसम्बर, 1704 को दीवार में जिंदा चुनवा दिया।

उधर गुरु गोबिंद सिंह को भी लाखों की मुगल सेना ने चमकौर की कच्ची गढ़ी में घेर लिया। तब दशमेश ने कहा कि सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज लड़ाऊं, तब गोविंद सिंह नाम कहाऊं। वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह का जयघोष करते हुए सिख लड़ाके मुगल सेना पर कहर बन टूट पड़े दोनों। पुत्र जुझार सिंह एवं अजीत सिंह बलिदान हो गए। पंज प्यारों के आज्ञा अनुसार गुरु गोविंद सिंह बचे साथियों के साथ जंगल की ओर निकल गए। पत्नी द्वारा पुत्रों के बारे में पूछने पर सिख सैनिकों की ओर संकेत कर कहा कि इन पुतरन के शीश पर, वार दिए सुत चार। चार मुए तो क्या हुआ, ये जीवित कई हजार। आगे 1705 में मुक्तसर के युद्ध में मुगल सेना को पराजित किया। गुरु गोबिंद सिंह ने 14 युद्ध लड़े और विजय श्री का वरण किया।

अंतिम समय में गुरु गोबिंद सिंह महाराज नांदेड़, महाराष्ट्र में रहकर अनुयायियों का मार्गदर्शन एवं प्रवचन करते रहे। सरहिंद के नवाब वाजित खान ने दो पठानों को गुरु गोविंद सिंह की हत्या हेतु वेश बदलकर भेजा और एक दिन मौका पाकर दोनों पठानों ने आराम करते हुए गुरु गोबिंद सिंह पर प्रहार कर घायल कर दिया। अंतिम समय निकट जानकर एक दिन गुरु ने सभी अनुयायियों को एकत्र कर कहा कि अब कोई देहधारी गुरु नहीं होगा। गुरु ग्रंथ साहिब ही गुरु के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। यह कहकर नारियल एवं पांच पैसे गुरु ग्रंथ साहिब को अर्पित कर शीश नवाया। 7 अक्टूबर, 1708 को इस अप्रतिम संत योद्धा ने मां भारती के अंक में स्वयं को समर्पित कर दिया। गुरु गोबिंद सिंह के विचार जोत बन सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

नजरिया

जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं।

राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरता के मध्य बौद्धिक संतुलन की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित, आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है। वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है। लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है।

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं।

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं। लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं।

भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैंश्र यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं। अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों में बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है।

जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं।

लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भी अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया।

पाकिस्तान, म्यांमार, उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है। लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की छांव की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचरिता, अवसरवादीता एवं एल्केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं। पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए।परिणाम स्वरूप जनता, सरकार, राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उत्सव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को उज्जैन के मुंगी चौराहे पर 'राहगिरी आनंद उत्सव' के उद्घाटन के दौरान घोड़े पर सवार हुए।

जैविक मां की तलाश में भारत आई स्पेन की युवती

भुवनेश्वर/भाषा। स्पेन की नागरिक स्नेहा अपनी उस जैविक मां की तलाश में भारत लौटी है, जिसने 20 साल पहले उन्हें (स्नेहा) और उनके भाई को एक अनाथालय में छोड़ दिया था।

हालांकि, 21 वर्षीय स्नेहा के पास समय कम बचा है, क्योंकि उन्हें सोमवार को स्पेन लौटना है। बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में शोधकर्ता के रूप में कार्यरत स्नेहा अपनी जड़ों का पता लगाना चाहती हैं, लेकिन उन्हें अपने अतीत के बारे में बहुत कम याद है।

स्नेहा के स्पेनिश माता-पिता जेमा विडेल और जुआन जोस उनकी इस खोज में उनका साथ दे रहे हैं और जेमा, स्नेहा के साथ उनके गृह राज्य ओडिशा आई हैं। विडाल और जोस ने स्नेहा और उनके भाई सोमू को 2010 में भुवनेश्वर के एक अनाथालय से गोद लिया था, जहां 2005 में उनकी मां बनलता दास द्वारा छोड़ दिए जाने के बाद उन्हें आश्रय दिया गया था।

स्नेहा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''स्पेन से भुवनेश्वर तक की मेरी यात्रा का उद्देश्य मेरे जैविक माता-पिता, खासकर मेरी मां को ढूंढना है। मैं उन्हें ढूंढना चाहती हूं और उनसे मिलना चाहती हूं। मैं इस यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार हूं, भले ही यह कठिन हो।''

स्नेहा उस समय सिर्फ एक साल की थी और उसका भाई कुछ महीने का था, जब उनकी मां उन्हें अनाथालय में छोड़कर चली गई। स्नेहा ने कहा कि उनके स्पेनिश

माता-पिता ने भाई-बहनों को जीवन में सब कुछ दिया है और उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि उन्हें गोद लिया गया है। दंपति ने उन्हें बेहतरीन शिक्षा और अपनी पसंद के हिसाब से निर्णय लेने की आजादी दी।

स्पेन के जरागोजा शहर में योग शिक्षक जेमा के साथ स्नेहा पिछले साल 19 दिसंबर को भुवनेश्वर पहुंचीं और वे एक होटल में रह रहे हैं। सोमू, हालांकि स्पेन में कुछ काम में व्यस्त होने के कारण नहीं आ सके। अगर उन्हें सोमवार तक स्नेहा की जैविक मां नहीं मिलती है, तो वे दोबारा उसकी तलाश में मार्च में वापस आएंगे।

जेमा ने कहा, ''हमें स्पेन वापस लौटना होगा, क्योंकि स्नेहा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हो गई है, जिसे रोका नहीं जाना चाहिए। अगर हमें अगले 24 घंटों में बनलता नहीं मिलती है, तो हम मार्च में भुवनेश्वर वापस आएंगे।''

नेहरू के कार्यकाल में भारतीय क्षेत्र पर चीन ने कब्जा किया था: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारतीय क्षेत्रों पर चीन के कब्जे का आरोप लगाने के लिए रविवार को कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ऐसे झूठ बोलकर बच नहीं सकती क्योंकि यह सब जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुआ था।

इससे पहले शनिवार को कांग्रेस ने 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा था, चीन भारत की जमीन पर कब्जा करता रहा। नरेन्द्र मोदी 'क्लीन चिट' देते रहे।

भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय क्षेत्र पर चीनी कब्जे की बात करना कांग्रेस की बेईमानी है जबकि तथ्य यह है कि यह सब प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुआ था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सोचिए, नेहरू के विश्वासघात के लिए प्रधानमंत्री मोदी को दोषी ठहराया जा रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इस तरह के झूठ बोलकर बच नहीं सकती।

मालवीय ने कहा कि 'वास्तविकता' यह है कि हेआन काउंटी अक्साई चिन का नया नाम है, जिस पर चीन ने 1962 में कब्जा कर लिया था।

मालवीय ने कहा, हेआन काउंटी का महत्व जी219 राजमार्ग से समझा जा सकता है, जिसे चीन ने औपचारिक रूप से 1957 में खोला था। प्रधानमंत्री नेहरू ने 1959 में संसद में इसके निर्माण को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि हेआन काउंटी की प्रमुख विशेषताओं में 1959 में चीन द्वारा हाजी लंगर और 1958 में भारतीय गश्ती दल को हिरासत में लिया जाना शामिल है।

मालवीय ने कहा, किजिल जिल्गा पर 1962 में चीन ने कब्जा कर लिया था। चुंग ताश पर 1962 में चीन ने कब्जा किया। देहरा कम्पास पर 1961 में चीन ने कब्जा किया। शामल लुंगपा पर अक्टूबर 1959 में चीन ने कब्जा किया।

गुरु के ब्रह्मलीन होने के बाद 'देवालय बस' से तीर्थाटन कर रहे स्वामी सच्चिदानंद

महाकुम्भ नगर/भाषा। एक सप्ताह में प्रारंभ होने जा रहे विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में साधु संत अपनी कुटिया लगभग बसा चुके हैं। ऐसे में इस मेले में एक ऐसे संत भी हैं जो कुटिया में नहीं, बल्कि एक बस में प्रवास करते हैं जहां एक संपूर्ण देवालय भी स्थापित है।

सेक्टर-18 में संगम लोअर मार्ग पर अलोपशंकरी चौराहे के पास बन रहे शिविर में पिछले एक माह से खड़ी सफेद रंग की बस सभी का ध्यान आकर्षित कर रही है जिसमें कथित तौर पर विश्व का सबसे वजनी 'स्फटिक' शिवलिंग रखा है।

स्वामी सच्चिदानंद चैतन्य जी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''वर्ष 1992 में उज्जैन सिंहस्थ कुम्भ के लिए उनके गुरु जी श्री लक्ष्मण चैतन्य ब्रह्मचारी जी ने यह बस तैयार कराई थी जिसे उन्होंने नाम दिया 'श्री श्री हरसिद्धी'। यह बस हर सिद्धियों की प्रदाता है। इसके बाद उन्होंने संपूर्ण तीर्थों का भ्रमण किया।''

उन्होंने बताया कि डा. श्री लक्ष्मण चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज, धर्म सम्राट स्वामी श्री करपात्री जी महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य थे और वाराणसी में अखिल भारतीय धर्म संघ के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे थे।

कियारा आडवाणी अस्पताल में भर्ती?

मुंबई/एजेन्सी

कियारा आडवाणी के प्रशंसक सोशल मीडिया पर कई रिपोर्ट आने के बाद गहरे सदमे में हैं, जिसमें दावा किया गया है कि उनकी तबीयत खराब हो गई है और अभिनेत्री अस्पताल में भर्ती हैं। अब, कियारा की टीम आगे आई है और इस पर स्पष्टीकरण जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि अभिनेत्री को अत्यधिक काम के बाद आराम करने की सलाह दी गई है। उनके प्रतिनिधि ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि अभिनेत्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कियारा के शामिल न होने के बाद उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबरें सामने आईं। प्रतिनिधि ने पीटीआई को बताया, ''कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं।'' कियारा को आखिरी बार 2023 में सत्यप्रेम की कथा में देखा गया था, जिसमें उन्होंने कार्तिक

आर्यन के साथ अभिनय किया था।

गेम चेंजर एस शंकर द्वारा निर्देशित एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें कियारा तेलुगु स्टार राम चरण के साथ फिर से काम कर रही हैं, इससे पहले वे 2019 में विनय विद्या रामा नामक फिल्म में नज़र आ चुकी हैं। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा लिखित इस फिल्म में एस जे सूर्या, अंजलि, प्रकाश राज, जयराम, सुनील, नवीन चंद्रा और समुथिरकानी भी हैं। फिल्म में राम चरण दोहरी भूमिका निभाते नज़र आएंगे, एक अपन्ना की और दूसरी उनके बेटे की, जो एक आईएएस अधिकारी भी हैं। गेम चेंजर में कियारा उनकी प्रेमिका का किरदार निभा रही हैं।

फिल्म 'स्काईफोर्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म स्काईफोर्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म स्काईफोर्स में अक्षय कुमार के साथ निमरत कौर,सारा अली खान और वीर पहाड़िया की अहम भूमिका है। यह फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले पर आधारित है। वीर पहाड़िया इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। स्काई फोर्स के ट्रेलर की शुरुआत वॉइसओवर के साथ होती है, जिसमें पाकिस्तान ,हिंदुस्तान को ललकारता हुआ नजर आ रहा है। इसके तुरंत बाद हवाई हमले और ब्लास्ट होते हुए नजर आते हैं। अगले सीन में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की एंट्री होती है, जो हमले से बचते हुए भाग रहे होते हैं।

स्काई फोर्स के ट्रेलर में अक्षय कुमार कहते है, पड़ोसियों को बताना होगा कि हम भी घुसकर मार सकते हैं। सोच बदलनी पड़ेगी दूसरा गाल नेता

दिखाते हैंहम फौजी नहीं।

फिल्म स्काईफोर्स का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है,जबकि इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन और अमर कौशिक और जियो स्टूडियोज़ के तहत ज्योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म 24 जनवरी को रिलीज होगी।

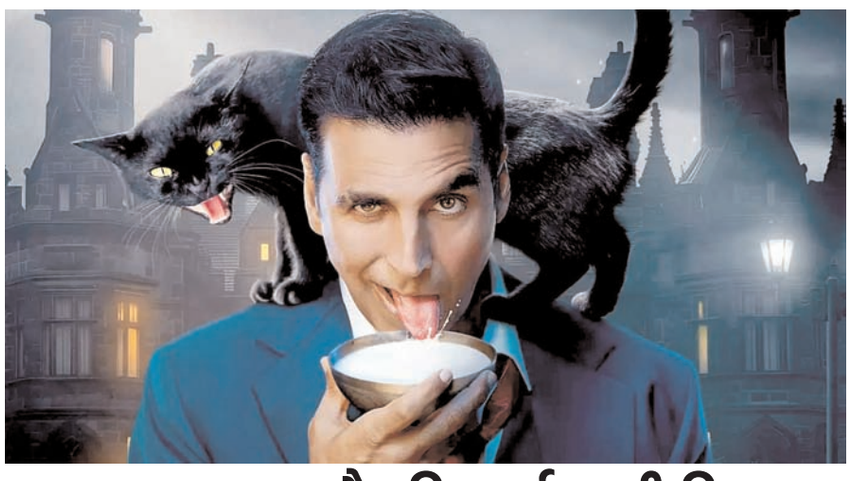

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' के अगले शेड्यूल की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी ने जयपुर में फिल्म भूत बंगला के अगले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने हेरा फेरी, भूल भुलैया और गरम मसाला जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। अब फैंस इस जोड़ी को फिर से एक साथ देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। भूत बंगला एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जो डर और हंसी का शानदार कॉम्बिनेशन लेकर आ रहा है। फिल्म में भूतिया घर की कहानी को मजेदार ट्विस्ट के साथ पेश किया जाएगा।

जयपुर शेड्यूल में शहर की फेमस लोकेशन्स पर कई आउटडोर शूट्स शामिल हैं, जो फिल्म को एक खूबसूरत सांस्कृतिक माहौल देंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस 'केप ऑफ गुड फिल्म्स' के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स फारा शेख और वेदांत बाली हैं, और यह बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है।इसकी कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अबिलाश नायर और प्रियदर्शन ने तैयार किया है। फिल्म के डायलॉग्स रोहन शंकर ने लिखे हैं। भूत बंगला 02 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

जुलूस

सिख श्रद्धालु रविवार को पटना में तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा में गुरु गोविंद सिंह, दसवें सिख गुरु की 358वीं जयंती की पूर्व संध्या पर 'नगर कीर्तन' जुलूस में भाग लेते हुए।

स्टार प्लस ने रिलीज किया शो 'पॉकेट में आसमान' का पहला दिलचस्प प्रोमो

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन चैनल स्टार प्लस ने अपने शो 'पॉकेट में आसमान' का पहला दिलचस्प प्रोमो शेयर किया है। स्टार प्लस अपना नया और दिलचस्प शो पॉकेट में आसमान लेकर आ रहा है, जिसमें अभिका मलाकार और फर्मान हैदर लीड रोल में नजर आएंगे। इस शो में अभिका रुद्राणी (रानी) का किरदार निभाएंगी और फर्मान दिग्विजय के रोल में दिखेंगे। पॉकेट में आसमान के मेकर्स ने शो का पहला दिलचस्प प्रोमो रिलीज किया है, जिसने पहले ही दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। प्रोमो में रुद्राणी (रानी) और दिग्विजय की झलक देखने को मिलती है। पॉकेट में आसमान की कहानी रानी की है, जो एक जवान और प्रेग्नेंट लड़की है। वह डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा करना चाहती है, साथ ही अपनी निजी ज़िम्मेदारियों को भी संभालती है। रानी के पति, दिग्विजय, उसकी फैसले का समर्थन करते हैं, लेकिन एक शर्त रखते हैं: उसे या तो अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना होगा या बच्चे पर। लेकिन रानी, अपनी इच्छाशक्ति और महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर, दोनों को करने का फैसला करती है। वह मां बनने और डॉक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के बीच संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करती है।

पॉकेट में आसमान एक प्रेरणादायक कहानी होने का वादा करता है। यह रानी के सफर को दिखाता है, जिसमें वह अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर जिंदगी दोनों को संतुलित करने की कोशिश करती है। यह एक महिला के जीवन के कई पहलुओं को संतुलित करने की यात्रा को दर्शाता है। पॉकेट में आसमान शो के साथ, दर्शकों को एक मजबूत और प्रेरणादायक कहानी देखने को मिलेगी, जो एक युवा महिला की ताकत और संकल्प को दिखाती है, जो अपने सपनों को हर मुश्किल के बावजूद पूरा करने के लिए तैयार है। पॉकेट में आसमान को बॉयहुड प्रोडक्शन्स ने प्रोड्यूस किया गया है और यह जल्द ही स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

'सीआईडी' को गेम चेंजर शो मानते हैं दयानंद शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने चरित्र अभिनेता दयानंद शेट्टी अपने सुपरहिट शो सीआईडी को गेमचेंजर मानते हैं और उनका कहना है कि यह शो जब कभी भी आयेगा तो गेमचेंजर साबित होगा। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर हाल ही में सीआईडी सीजन 2 की शुरूआत हुयी है। वर्ष 1998 से शुरू हुआ सीआइडी का शानदार सफर लगातार 20 वर्षो तक 2018 तक चला। छह साल के लंबे अंतराल के बाद सीआईडी ने अपने शानदार सफर की शुरूआत कर दी है। सीआईडी में दयानंद शेट्टी ने पुलिस ऑफिसर दया का किरदार निभाया है। अभिनेता दयानंद शेट्टी ने सीआईडी के बारे में बात साझा की। दयानंद शेट्टी ने बताया,वर्ष 1998 में सीआईडी जब पहली बार लोगों के बीच आया तो किसी सोंचा नहीं था कि यह शो इतना लंबा चलेगा। लोगों का मानना था कि सीआईडी 26 सप्ताह या फिर 52 सप्ताह तक चलेगा, लेकिन इसने गेम चेंज कर दिया। छह साल के लंबे अंतराल के बाद सीआइडी जब वापस लौटकर आया है, तो इस बार भी शो को दर्शकों का जबरदस्त रिसपांस मिल रहा है। सीआईडी गेमचेंजर साबित हो रहा है। मेरा मानना है कि सीआईडी जब कभी भी आयेगा ,गेमचेंजर साबित होगा।

दयानंद शेट्टी ने बताया, सीआईडी को दर्शकों बेहद चाव के साथ देखना पसंद करते थे ,वे सभी सीआईडी को मिस कर रहे थे। वे चाहते थे कि सीआईडी वापस लौटकर आये। हमलोग भी सीआईडी को मिस कर रहे थे। शो लगातार इतने साल से चल रहा

था। हमारी कोशिश थी कि शो को वापस लाया जाये। दो साल कोविड काल रहा। टेलिविजन की हालत भी अच्छी नहीं थी। सीआइडी का संयोग 2024 में बना।सभी लोगों के प्यार से सीआईडी वापस आ गया है और लोगों को भी शो पसंद आ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 में 'सीआईडी' में 111 मिनट लंबा सिंगल शॉट एपिसोड शूट किया गया था, जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है।टीवी के सबसे लंबे शॉट होने का ये खिताब इसी शो के नाम था।

दयानंद शेट्टी ने बतौर अभिनेता सीआईडी से अपने करियर की शुरूआत की थी, लेकिन उन्होंने अभिनेता बनने की प्लानिंग कभी नही की थी। दयानंद शेट्टी ने बताया, शायद मेरी तकदीर में अभिनेता बनना लिखा हुआ था।

सीआईडी में काम करने के पहले मैं थियेटर किया करता था। माटूंगा मुंबई में चंद्रप्रकाश थियेटर में कुछ नाटक किये, जिसके लिये मुझे बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला। उन्हीं दिनों मेरे दोस्त संजय शेट्टी, जो उनदिनों सीआईडी के प्रोडक्शन के साथ जुड़े हुये थे। उन्होंने मेरा नाटक देखा था और मेरी परफार्मेंस उन्हें पसंद आयी थी। उन्होंने मुझे बताया कि सीआईडी के क्रियेटर बी.पी.सिंह सीरियल के लिये नये कॉप्स के लिये ऑडिशन ले रहे हैं। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिये कहा, लेकिन मैं उस समय कुछ पारिवारिक समस्या में उलझा हुआ था ,इसलिये मैंने मना कर दिया।

दयानंद शेट्टी ने बताया, बाद मैं जब मैं सीआईडी के ऑडिशन के लिये गया तो ऑडिशन समाप्त हो चुके थे, जिनलोगों ने ऑडिशन दिया था, उनका चयन नहीं हुआ था। मैं वह अंतिम शख्स था, जिसने ऑडिशन दिया। 15-20 दिन के बाद मुझे कॉल आया और मैं सीआइडी के लिये चुन लिया गया।बीपीसिह साहब से जब मेरी मुलाकात हुयी तो उन्होंने मेरा नाम पूछा तो मैंने उन्हें अपना नाम दयानंद शेट्टी बताया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 06-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

दादी सेना के तत्वावधान में जेपीनगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में दादी धाम प्रचार समिति के द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव व चरण पादुका महोत्सव के दूसरे दिवस पर सुबह से झुंझनु मन्दिर से आई दादी की 'चरण पादुका' का विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार से पूरे विधिविधान के साथ गंगाजल, पंचामृत, गुलाब पुष्प, इतर से अभिषेक व पूजन किया गया।

गुरु सप्तमी पर निकली भव्य पदयात्रा में शामिल हुए गुरुभक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद द्वारा गुरु भक्तों के सहयोग से रविवार को दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीस्वरजी म.सा के जन्म स्वर्गारोहण दिवस के उपलक्ष में शहर के कुबसद गली गुरु मंदिर से बुडरसिंघि के राजेन्द्र विहार तक 7 किलोमीटर की पदयात्रा का आयोजन किया गया। गुरु भक्त शांतिनाथ जिनालय, पार्श्व पदमालायम तीर्थ आदि के दर्शन कर बुडरसिंघि के राजेन्द्र विहार में पहुंचे। तीर्थ प्रवेश पर सभी पदयात्रियों का तीर्थ के सचिव शांतिलाल बागरेचा परिवार द्वारा स्वागत किया।

सभी गुरु भक्तों ने राजेंद्र विहार में 14 फीट ऊंची एवं 4 टन वजनी गुरुदेव की खडी मूर्ति के दर्शन वंदन किए एवं लाभार्थियों ने आरती की। इस अवसर पर राजेंद्र महिला परिषद द्वारा भक्ति का आयोजन किया। परिषद के संजय सेठ ने बताया कि इस यात्रा में करीबन 400 यात्री ने भाग लिया एवं वापसी में परिषद द्वारा वाहन की व्यवस्था की गई। नीलेश जैन बताया कि परिषद द्वारा लगातार 8 वर्षो से यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

यात्रा की पूरी व्यवस्था परिषद के सदस्य ललित मांडोत, विमल जैन, नीलेश जैन, आकाश जैन, शैलेश जैन, विक्रम जैन, योगेश जैन, विंटी जैन, संतोष जैन, संजय सेठ, विमल जैन, सुभाष मुथा, विमल मंडोत, मनीष, रिंकेश आदि ने संभाली।

दादी के उत्सव में 'चरण पादुका' सेवा और भजनों की रही धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दादी सेना के तत्वावधान में जेपीनगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में दादी धाम प्रचार समिति के द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव व चरण पादुका महोत्सव के दूसरे दिवस पर सुबह से झुंझनु मन्दिर से आई दादी की 'चरण पादुका' का विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार से पूरे विधिविधान के साथ गंगाजल, पंचामृत, गुलाब पुष्प, इतर से अभिषेक व पूजन किया गया। उपस्थित भक्तों को भी चरण पादुका व पूजा सामग्री वितरण किया गया। सभी भक्तों ने दादी की चरण पादुका का पूजन व अभिषेक किया। सभी ने अपने अपने स्थान पर से ही आरती की। तत्पश्चात स्थानीय गायक रामसुंदर बगड़िया, अनुप अग्रवाल, किशन बगड़िया, श्याम सुंदर बगड़िया ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति से रिझाया। इस दो दिवसीय महोत्सव में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू व अंकित मोदी के साथ पूरी टीम ने अपनी सेवा से सारी व्यवस्था में सहयोग रहा। दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने मारवाड़ी युवा मंच की पूरी टीम का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

शाम के समय हैदराबाद की गायिका प्रियंका गुप्ता व भागलपुर की रिया शर्मा ने 'मांग कर के देख, सिर झुका के देख दादी के दरबार में...' की प्रस्तुति पर सभी भक्त झूमने लगे। कोलकाता के अभिषेक शर्मा ने 'जन्म जन्म का साथ है हमारा तुम्हारा .....,' 'दादी तेरे भरोसे मेरा परिवार है .....' 'थारे भरोसे बैठ्यो मैया आसरो म्हाने थारो है ....' की मधुर प्रस्तुति से समा बांध दिया। बीकानेर के गायक प्रवेश शर्मा के सभागार में पहुँचने पर उपस्थित भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से व जय दादी के जयकारे से अभिनन्दन किया।

प्रवेश शर्मा ने झुंझुनूं मंदिर की व्याख्या करते हुए अपनी प्रस्तुति पर सभी को भावविभोर कर दिया। श्रद्धालु भजनों पर थिरकते रहे। इस अवसर पर विनोद कुमार माखरिया, आलोक सराफ, रवि टाईवाला, विनोद जगनानी, रमन जैन, श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झंवर, श्री श्याम गौशाला के अध्यक्ष सतीश गोयल, राजगढ़ सादुलपुर परिषद के अध्यक्ष प्रभात किशनपुरिया, प्राइड ग्रुप के चैयरमेन मुरारी लाल सरावगी ने भी उपस्थित होकर मां के दरबार में हाजरी लगाई। जीण माता सेवा समिति की पूरी टीमों ने दो दिवसीय महोत्सव में दादी की रसोई की पूरी व्यवस्था कार्य में सहयोग दिया। समिति के अध्यक्ष शिव कुमार टेकड़ीवाल ने दो दिवसीय महोत्सव को सफलतापूर्वक सफल बनाने पर सभी सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का आभार प्रकट किया। सचिव संजय चौधरी ने सभी भक्तो का धन्यवाद किया। संयोजक संजय नोपानी ने भी सभी दादी धाम प्रचार समिति के सदस्यों का आभार प्रकट किया जिन्होंने एकजुटता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्यक्रम को सफलता दिलाई। मंगला आरती के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

तेयुप टी. दासरहल्ली ने अभिनव सामायिक फेस्टिवल 'उत्सव विश्वमैत्री का' का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद टी, दासरहल्ली द्वारा नव वर्ष के प्रथम रविवार को सामायिक फेस्टिवल मनाया गया। प्रवक्ता उपासिका सरोज छाजेड़ के सामूहिक नवकार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी ने स्वागत किया। उपासिका सरोज छाजेड़ ने भगवान महावीर की भव परम्परा का वर्णन किया तथा अभिनव सामायिक के अंतर्गत निर्धारित त्रिपदी वंदना, जप, ध्यान, स्वाध्याय के प्रयोग कराएं। विशिष्ट अतिथि कमलेश गन्ना ने सामायिक द्वारा समता की साधना से जीवन में बदलाव की बात कही।

सभा ट्रस्ट अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत एवं महिला मंडल अध्यक्षा नेहा चावत ने अपने विचार व्यक्त किये।

अवसर पर परामर्शक लादुलाल बाबेल, नवरतन गाँधी, मनोज मेहता, सभा ट्रस्ट, युवक परिषद, महिला मंडल, किशोर मंडल, कन्या मंडल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष मुकेश चावत एवं देवीलाल गांधी ने किया। निखिल बोहरा ने धन्यवाद दिया।

आहोर महिलाओं ने किया धार्मिक एवं सामाजिक प्रदर्शनी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आहोर मुक्ति छाया मंडल के तत्वावधान में एक होटल में श्री धार्मिक, व्यवहारिक एवं सामाजिक प्रदर्शनी 'जैन धार्मिक अमिबा' का आयोजन किया जिसमें पहचान प्रभु की, तीर्थ से तीर्थकर का रिश्ता, पद से रंग मिलान, त्रिशला माता के स्वप्न दर्शन, में अंग्रेजी- तू मारवाड़ी, पूजा के संग कौन से नव अंग, बेंगलूरु क्षेत्र के सरताज, जन्म दाता से नाता, पाप क्या- पुण्य कैसे, धर्म - अधर्म,आदि हस्तकला से बनाए चित्रों के माध्यम से सम्पूर्ण ज्ञान की जानकारी समझा कर बताते हुए आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्ष बिंदिया गादिया, उपाध्यक्ष हर्षा नेनावत, मंत्री अरुणा सिंघी, कोषाध्यक्ष निर्मला बंदामूथा ने मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित राजस्थान संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, राजेंद्रसूरी सीमंधर स्वामी मंदिरजी मामुलपेट एवं वीवी पुरम के अध्यक्ष नेमीचंद वेदमूथा, आहोर प्रवासी संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कटारिया एवं उपाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा का सम्मान किया। इस आयोजन में आहोर क्षेत्र की अनेक महिलाओं ने अपना सहयोग दिया।

शत्रुंजय महातीर्थ पर चौविहार छट्ठ सात यात्रा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् एवं महिला परिषद् केन्द्रीय समिति के तत्वावधान में शत्रुंजय महातीर्थ पर खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी महाराज के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में चौविहार छट्ठ करके सात यात्रा का आयोजन किया गया। केन्द्रीय समिति के बेंगलूरु से ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि ऋषभ धुन लागी-2 यात्रा कार्यक्रम में बेंगलूरु सहित पूरे भारतवर्ष से 613 आराधक सात यात्रा करने पालीताणा पहुंचे। जिसमें 520 यात्रियों की दो दिन में चौविहार बेला करके सात यात्रा पूर्ण की और इसके साथ ही आराधक यात्रियों की सेवा हेतु 383 केयुप और केएमपी के सेवार्थी भी पालीताणा पहुंचे। राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेश भन्साली ने कहा कि केयुप द्वारा इस यात्रा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश लूनिया ने बताया कि चौविहार छट्ठ सात यात्रा हर वर्ष नववर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित करनी है जिससे नई पीढ़ी दादा आदिनाथ परमात्मा के सान्निध्य और उनकी छत्रछाया में नवीन ईस्वी संवत में प्रवेश कर सकें, ऐसा गुरुदेव ने आदेश फरमाया। राष्ट्रीय महामंत्री रमेश लुंकड़ ने बताया कि इसके साथ ही प्रतिवर्ष केयुप और केएमपी द्वारा जिनशासन के अनेक कार्य आयोजित होते हैं और सबको हर धार्मिक कार्यक्रम में जुड़ना है, जिसमें पर्युषण हेतु स्वाध्यायी, शासनगच्छ रक्षा हेतु सिपाही, छट्ठ सात यात्रा हेतु युवा शक्ति, छःरी पालित संघ हेतु सहयोगी-कर्मठ कार्यकर्ता, पूजन, विधि विधान हेतु विधिकारक, विहार वैयावच्छ में शासन सेवक, गुरुदेव की निकटता एवं भरपूर वात्सल्य, सभी साधु साध्वीजी से व्यक्तिगत परिचय, शासन के हर क्षेत्र में युवा परिषद् का योगदान रहता है। इसके साथ अनेकानेक क्षेत्र के बंधुओं के संपर्क से शासन, परिवार, व्यवहार, व्यापार, संपर्क में भी बढ़ोतरी होती है। केयुप एक राष्ट्रीय संस्था है, अभी तक 108 शाखाएं बन चुकी है।

चौविहार छट्ठ यात्रा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चेयरमैन सुरेश भन्साली, अध्यक्ष सुरेश लूनिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष और संयोजक पुरुषोत्तम सेठिया, उपाध्यक्ष प्रवीन लूनिया, महामंत्री रमेश लुंकड़, कोषाध्यक्ष ललित डाकलिया, सह कोषाध्यक्ष नरेश लुनिया, सहमंत्री गौतम मालू, संगठन मंत्री चम्पालाल वाघेला, यात्रा के सह संयोजक नरपत लुनिया, प्रचार प्रसार संयोजक शुभम भन्साली, विपुल दुग्गड, अनेक प्रदेशाध्यक्ष और सदस्यों ने पिछले लम्बे समय से इस यात्रा की तैयारियां करते हुए इसे सफल बनाया।

इस अवसर पर गच्छाधिपति गुरुदेव ने चित्रा पारख और सेजल बोथरा को 9 मार्च को बाड़मेर नगर में दीक्षा का मुहूर्त भी प्रदान किया। इस यात्रा में पूरे देशभर की अनेक केयुप, केएमपी की शाखाओं और सदस्यों ने तन मन से आराधकों की सेवा वैयावच्च की और दस डॉक्टर्स की टीमें गिरीराज और धर्मशाला में किसी भी यात्री की शारीरिक समस्याओं के निदान के लिए उपस्थित थी। इस यात्रा में पूरे देशभर के सदस्यों ने सहभागी बनकर लाभ लिया।

ओसवाल साजनान संघ मदारिया मैसूरु क्षेत्र के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के एक रिसोर्ट में जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया मैसूरु क्षेत्र का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में केंद्रीय संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ईश्वरलाल श्रीमाल उपस्थित रहें। अध्यक्ष सुरेशकुमार दक के सभी का स्वागत किया। एंकर खुशी दक ने कई मनोरंजक कार्यक्रम पेश किए जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया।

विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर वर्ष 2025-27 के नए अध्यक्ष विमलकुमार पितलिया एवं पदाधिकारीगण का शपथ ग्रहण सम्पन्न हुआ। वर्तमान अध्यक्ष सुरेश कुमार दक ने अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी नवगठित टीम की घोषणा करते अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। विमलकुमार पितलिया ने सभी का धन्यवाद दिया। संचालन महावीर देरासरिया ने किया। आभार प्रमोद श्रीमाल ने जताया।

राजाजीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित हुई अभिनव सामायिक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा आयोजित अभिनव सामायिक फेस्टिवल-उत्सव विश्व मैत्री का स्थानीय तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में आयोजन किया गया। उपासक भंवरलाल मांडोत ने अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाया। साथ ही अभिनव सामयिक के महत्व को बताते हुए जप, ध्यान एवं स्वाध्याय और अंत मे त्रिगुप्ती साधना से सामयिक को सम्पन्न करवाई। राजाजीनगर परिषद शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने पधारे हुए सभी श्रावक- श्राविका समाज का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं सभा परिवार, महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी एवं महिला मंडल परिवार एवं तेयुप परिवार से परामर्शक प्रवीण नाहर, चंद्रेश मांडोत, प्रबुद्ध विचारक अरविंद गन्ना आदि उपस्थित थे। मंच संचालन एवं आभार तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी द्वारा दिया गया।

गौसेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं : संत पुखराज

बेंगलूरु। रविवार को महादेवपुरा स्थित महावीर जैन गौशाला में राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संत पुखराज ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गौ सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है सभी को यथाशक्ति गौ सेवार्थ दान करना चाहिए। गौ सेवा से कुंडली में व्याप्त दोषों का क्षय होता है। सनातन धर्म और संस्कृति की संवाहक ही गौ माता है। हर सनातनी का कर्तव्य है कि वो गौ सेवा एवं संरक्षण में अग्रणी रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं मुख्य अतिथि संत पुखराज का माला, साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रजापति समाज एचएएल के पदाधिकारी, प्रजापति समाज केआरपुरम संस्था को प्रजापति समाज कॉटनपेट से आमंत्रण पत्रिका दी गई। उपस्थित फिटनेस ग्रुप एचएएल के सभी सदस्य और रमेश कुमार प्रजापत मंडावरा, सुरेश घोड़ेला, राम लाल सेवलिया, गोविंद प्रजापत, सोमनाथ चौरसिया, राजाराम प्रजापति, मदन लाल, जीवन कुमार, भूपेश कश्यप, मोहनलाल, अशोक कुमार, अरुण शर्मा, जयराम, मुकेश जाट, अमरचंद, वेनाराम, पोकरलाल घोडेला, नेमीचंद कुण्डलवाल, जीवाराम, डॉ. रवि राज हंस, सहित राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन के अनेक लोग उपस्थित थे।

सामायिक से समता का जागरण- मुनि मोहजीत कुमार

मंड्या/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा निर्देशित अभिनव सामायिक का आयोजन आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री मोहजीत कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद् मंड्या द्वारा चन्नपटना के स्थानक भवन में किया गया। सामायिक उत्सव का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के जप से हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री मोहजीत कुमारजी ने ध्यान की प्रक्रिया को सम्पादित करते हुए कहा कि- सामायिक समता की साधना का एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। सामायिक की उपासना करने वाला व्यक्ति अपने मन, वचन और काया के योग को नियंत्रित करता है। इससे व्यक्ति की चंचलता कम होती है तथा स्थिरता का विकास होता है। सामायिक से का समता का जागरण होता है। समता ही धर्म आराधना का आधार है। सामायिक उत्सव की परिसम्पन्नता परमेष्ठी वन्दना के संगान एवं त्रिपदी वन्दना से हुई। इस अवसर पर मण्डिया तेरापंथ युवक परिषद् के सदस्य, चिकमगलूर युवक परिषद् एवं बेंगलूरु से समागत बंधु उपस्थित थे।

जुलूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव वार्षिक वीधी विरुधु विझा के हिस्से के रूप में जीवंत वेशभूषा में कलाकार सड़क जुलूस में भाग लेते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com